वर्ष 2005-2006 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2005-2006

वर्ष 2005-2006 के लिए निदेशक मंडल की वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report of the Board of Directors for the year 2005-2006

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च 2006 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ एवं हानि लेखों के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता हो रही है.

1.000 प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण

1.100 स्थूल आर्थिक विकास :

1.101 वर्ष 2004 के दौरान 7.5% की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि एवं मुद्रास्फिति के 5% से नीचे रहने के बाद विकास में उछाल के संकेत के साथ राजकोषीय वर्ष 2005-06 की शुरूआत हुई जो अंर्तराष्ट्रीय बाज़ारों में पेट्रोल एवं प्राथमिक उत्पाद की बढ़ती हुई कीमतों को रोकने हेतु उसका सामना करते हुए कुछ मुद्रास्फिति के दबाव में थी. वर्ष 2005-06 सेवाओं व निर्माण क्षेत्रों में 8% सकल घरेलू उत्पाद विकास दर का साक्षी रहा जो कि विकास के मुख्य प्रेरक बने रहे. 2.3% की वृद्धि दर्ज करने में कृषि ने आंशिक वसूली का प्रभाव दिखाया. देश की अर्थव्यवस्था दसवीं पंचवर्षीय योजना के विकास के 8% लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब है. वित्त मंत्री द्वारा राजकोषीय वर्ष 2006-07 के लिए विकास एवं घरेलू उत्पाद हेतु अपेक्षित 10% की दर ने विकास की अच्छी संभावनाओं को व्यक्त किया है.

1.102 वर्ष-दर-वर्ष आधार पर थोक मूल्य सूचकांक में उतार-चढ़ाव द्वारा आंकी गई मुदास्फिति 23 अप्रैल, 2005 को 6.00% की ऊँचाई से गिरने के बाद मार्च 2006 की समाप्ति के समय 4.0% एवं 1 अप्रैल, 2006 को 3.5% थी.

1.103 अमेरिकी डॉलर की भाषा में, पण्य निर्यात में पिछले वर्ष के 26.4% की तुलना में वर्ष 2005-05 के दौरान 24.7% की वृद्धि हुई. आयात में पिछले वर्ष के 36.4% की तुलना में इस वर्ष 31.5% की वृद्धि दर्ज की गई. जहाँ तेल आयात में वृद्धि पिछले वर्ष के 45.2% की तुलना में इस वर्ष 46.8% की उँचाई पर थी, वहीं गैर-तेल आयात ने पिछले वर्ष में 33.3% की तुलना में इस वर्ष 25.6% की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है.

1.104 देश की विदेशी मुद्रा की आरक्षित निधि मार्च, 2005 की समाप्ति पर अमेरिकी डॉलर 141.5 बिलियन में मार्च, 2005 की समाप्ति पर अमेरिकी डॉलर 10.1 बिलियन बढ़कर अमेरिकी डॉलर 151.6 बिलियन हो गई. वर्ष 2005-06 में विदेशी मुद्रा बाज़ार विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव - दोनों गतिविधियों को प्रदर्शित करते हुए सुव्यवस्थित रहा. वर्ष 2005-06 के दौरान रूपया का मूल्य ह्रास अमेरिकी डालर की तुलना मे 1.9% हुआ किन्तु यूरो के विरुध्द 4.4%, पाउण्ड, स्टर्लिंग की तुलना मे 5.5% तथा जापानी येन की तुलना मे 7.5% का अधिमूल्यन हुआ.

1.105 समग्रतः, स्थूल एवं वित्तीय अवस्था अपेक्षा से कहीं अधिक मजबूत हुई है. जैसाकि दीर्घावधि ब्याज दरों की स्थिरता में परिलक्षित है, मुद्रास्फिति अनुमानित दायरे में नियंत्रित रही. राजकोषीय स्थिति में सुधार होने और राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन नियमों द्वारा निर्मित शुद्धिकरण की

Dear Shareholders,

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the financial year ended March 31, 2006.

1.000 MANAGEMENT DISCUSSION & ANALYSIS

1.100 Macroeconomic Developments:

1.101 After a GDP growth of 7.5 per cent and inflation below 5 per cent during 2004-05,the fiscal 2005-06 started with signs of a growth rebound accompanied by some inflationary pressures stemming from hardening petroleum and primary product prices in the international markets. The year 2005-06 witnessed a GDP growth rate of 8% with services and manufacturing sectors providing the key impetus to growth. Agricultural staged a partial recovery to post growth of about 2.3%. The economy is well on its way to near achieving the tenth five year plan target of 8% growth. Buoyancy in growth prospects reflected in the Finance Minister placing the expected growth rate & GDP for fiscal 2006-07 at 10%.

1.102 Inflation, measured by variations in the wholesale price index (WPI) on a year-on-year basis, was 4.0 per cent at end-March 2006 and 3.5 per cent as on April 1, 2006 after receding from a peak of 6.0 per cent on April 23, 2005.

1.103 In US dollar terms, merchandise exports increased by 24.7 per cent during 2005-06 as compared with 26.4 per cent in the previous year. Imports registered an increase of 31.5 per cent as compared with 36.4 per cent in the previous year. While the increase in oil imports was higher at 46.8 per cent as compared with 45.2 per cent in the previous year, non-oil imports recorded an increase of 25.6 per cent as compared with 33.3 per cent in the previous year.

1.104 The country's foreign exchange reserves increased by US $ 10.1 billion from US $ 141.5 billion at end-March 2005 to US $ 151.6 billion by end-March 2006. The foreign exchange market remained orderly in 2005-06 with the exchange rate exhibiting two-way movements. During 2005-06, the rupee depreciated by 1.9 per cent against the US dollar but appreciated by 4.4 per cent against the euro, by 5.5 per cent against the pound sterling and by 7.5 per cent against Japanese yen.

1.105 Overall, them acroeconomic and financial conditions have evolved as stronger than expected. Inflation has been contained well within the projected range as reflected in the relative stability of long-term interest rates. There are indications of improvement in the fiscal situation and the return to the path of correction set by the

दिशा में अग्रसर होने के संकेत हैं. वैश्विक विकास ने स्वीकार्य लचीलापन भी दर्शाया है.

1.106 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय तौर पर आर्थिक दृष्टिकोण का अधोमुखी जोख़िम ऊंची और अस्थिर तेल कीमतों, भू-राजनीतिक तनाव एवं आपूर्ति के सद्में, संपत्तियों के बढ़े हुए मूल्यों, वैश्विक असंतुलन तथा मौद्रिक नीति को कठोर बनाने के रूप में मौजूद है. घरेलू अर्थव्यवस्था में खाद्येतर साख वृद्धि, जमा वृद्धि और मुद्रा आपूर्ति विकास अनुमान से अधिक ऊँचे रहे. संपत्तियों के मूल्यों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है. साख की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और बुनियादी संरचना में निवेश की गति में वृद्धि करना महत्वपूर्ण है.

1.200 भारतीय रिजर्व बैंक का मौद्रिक उद्देश्य :

1.201 वर्ष 2006-07 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित नीति के वार्षिक विवरण ने 2006-07 के लिए मौजूद मुद्रास्फिति की दर 5.0-5.5 के बीच निर्दिष्ट कर दी है. नीति का उद्देश्य निर्धारित करने के लिए भूतकाल की तरह घरेलू कारकों के प्रभुत्व को ध्यान में रखते हुए किन्तु वैश्विक कारकों पर उससे भी कहीं अधिक बल देने के उद्देश्य से इसे आवश्यक माना गया है. स्थूल अर्थव्यवस्था, विशेषकर वित्तीय स्थिरता कायम रखने के लिए साख गुणवत्ता एव वित्तीय बाजार की स्थिति पर मुख्य ध्यान दिया गया है. विकास की गति को अनुकूल बनाने वाला, मूल्य स्थिरता सहित मुद्रा और ब्याज दर वातावरण नीति के उद्देश्य का आधार बना हुआ है.

1.202 भारतीय रिजर्व बैंक ने घोषित किया है कि, वह यह सुनिश्चित करेगा कि प्रणाली में समुचित चलनिधि का रख-रखाव किया जाता है ताकि मूल्य और वित्तीय स्थिरता के साथ सामंजस्य रखते हुए साख की सभी वैध अपेक्षाओं की पूर्ति हो सके. इस स्तर पर भारतीय रिजर्व बैंक बाजार स्थिरीकरण योजना, चलनिधि समायोजन सुविधा, आरक्षित नकदी निधि अनुपात सहित खुले बाजार के परिचालन के माध्यम से परिस्थितियों की आवश्यकतानुसार, अपने लचीले निपटान के रुख के साथ सभी नीतिगत घटकों का उपयोग करते हुए अपनी चल-निधि की सक्रिय मांग प्रबंधन की नीति पर कायम रहेगा. नीति में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में किसी प्रतिकूल व अनपेक्षित विकास को छोड़कर तथा मुद्रास्फिति के दृष्टिकोण सहित अर्थव्यवस्था के वर्तमान मूल्यांकन की दृष्टि से मौद्रिक नीति का समग्र उद्देश्य निम्नांकित होगा :

- जब मुद्रास्फिति की अपेक्षाओं के अतिक्रमण से उत्पन्न परिस्थितियों का संकेत होने पर समय पर तत्परता से कार्रवाई करने के लिए तैयार रहने की अवस्था हो तो मौद्रिक और ब्याज दर वातवरण सुनिश्चित करना जो मूल्य स्थिरता सहित विकास की गति को अनुकूल रूप में कायम रखने में समर्थ बनाना.
- स्थूल अर्थव्यवस्था, विशेषकर वित्तीय स्थिरता कायम रखने के लिए अर्थव्यवस्था में निर्यात और निवेश की मांग को समर्थन देने के लिए साख गुणवत्ता एवं वित्तीय बाजार की स्थिति पर मुख्य ध्यान दिया जाना.
- विकसित होते हुए वैश्विक विकास पर शीघ्रता से प्रतिक्रिया दिखाना.

Fiscal Responsibility and Budget Management Rules. Global growth has also exhibited considerable resilience.

1.106 As assessed by the Reserve Bank of India, down side risks to the economic outlook internationally continue in the form high and volatile oil prices, geo-political tensions and supply shocks, elevated asset prices, global imbalances and tightening of monetary policy globally. In the domestic economy, non-food credit growth, deposit growth and money supply growth were higher than the projections. Asset prices have registered a substantial increase. Ensuring credit quality and increasing the pace of investment in infrastructure is important.

1.200 Monetary Stance of RBI:

1.201 The Annual Statement of Policy, announced by Reserve Bank of India for 2006-07 has set out an objective of containing inflation rate for 2006-07 in the range of 5.0-5.5 per cent. It is considered necessary for this purpose, to keep in view the dominance of domestic factors as in the past but to assign more weight to global factors than before while formulating the policy stance. Focus is on credit quality and financial market conditions for maintaining macroeconomic, in particular, financial stability. Monetary and interest rate environment enabling growth momentum consistent with price stability remains the underlying objective of the Policy.

1.202 The Reserve Bank of India has announced, that it will ensure that appropriate liquidity is maintained in the system so that all legitimate requirements of credit are met, consistent with the objective of price and financial stability. Towards this end, RBI will continue with its policy of active demand management of liquidity through OMO including MSS, LAF and CRR, and using all the policy instruments at its disposal flexibly, as and when the situation warrants. The Policy has stated that barring the emergence of any adverse and unexpected developments in various sectors of the economy and keeping in view the current assessment of the economy including the outlook for inflation, the overall stance of monetary policy at this juncture will be:

- to ensure a monetary and interest rate environment that enables continuation of the growth momentum consistent with price stability while being in readiness to act in a timely and prompt manner on any signs of evolving circumstances impinging on inflation expectations.
- to focus on credit quality and financial market conditions to support export and investment demand in the economy for maintaining macroeconomic, in particular, financial stability.
- to respond swiftly to evolving global developments.

1.300 बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्ति

1.301 अनुसूचित बैंकों का ऋण वर्ष 2005-06 के दौरान 36.0% (रु. 3,96,045 करोड़) समग्रतः पिछले वर्ष एक वित्तीय संस्थान का एक बैंक के रूप में रुपांतरण होने पर उसकी निवल संपत्ति 27% (रु. 2,26,761) बढ़ गई है. खाद्य ऋण में पिछले वर्ष में रु. 5,159 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु. 667 करोड़ की वृद्धि हुई है. अखाद्य ऋण बैंकिंग गतिविधि का सूत्रधार रहा जो एक वर्ष पूर्व रुपांतरण की निवल संपत्ति लेकर 27.5 प्रतिशत (रु. 2,21,602 करोड़) के शीर्ष से 37.3 प्रतिशत बढ़ गया है. अखाद्य बैक ऋण के विनियोजन की रचना का भिन्न बदलाव बढ़ता हुआ प्रमाण हो गया है जिसकी झलक 2005-06 में परवर्ती मुद्रा समीक्षा नीति में दिखाई गई है. अप्रैल-जनवरी, 2005-06 के दौरान, सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण प्रभावी श्रेणी के रूप में उभर गया जो कि एक वर्ष पूर्व के 25.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 36.2 प्रतिशत बढ़ रहा है और जिसकी गणना वृद्धिशील अखाद्य ऋण के 63.1 प्रतिशत के रूप में हो रही है. इस श्रेणी के अंतर्गत खुदरा ऋण ने तेजी से विकास किया है. खुदरा ऋण का विस्तार 2001-02 से 22-41 प्रतिशत के बीच की दरों से हुआ है और जिसकी गणना 2005-06 में वृद्धिशील अखाद्य ऋण के 26.7 प्रतिशत के रूप में की गई है. इसका ध्यान रखना उचित होगा कि 'व्यक्तियों' को अग्रिमों का अंश मार्च 2002 में कुल बैंक ऋण के लगभग 10 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी, 2006 में लगभग 25 प्रतिशत हो गया है. व्यावसायिक भू-संपदा को प्रदत्त ऋण 2005-06 में 84.4% बढ़ गया जिसका 4.4% वृद्धिशील अखाद्य ऋण है. आवासीय ऋण में 29.1% की वृद्धि हुई है और उसकी गणना वृद्धिशील अखाद्य ऋण के 14.6 प्रतिशत के रूप में की गई है. जहाँ समग्र रूप में उद्योग के लिए ऋण प्रवाह ने एक वर्ष पूर्व के 11.3 प्रतिशत से 2005-06 में 15.6 प्रतिशत की शालीन वृद्धि दर्शायी, वहीं बुनियादी उद्योगों विशेषकर विद्युत में एक वर्ष पूर्व के 32.9% के शीर्ष में 28.8% की वृद्धि हुई. उद्योगों जैसे कि खाद्य प्रसंस्करण लौह एवं इस्पात, सूती वस्त्र, वाहन, रसायन, रत्न व आभूषण एवं निर्माण के लिए प्रवाह में वास्तविक वृद्धि देखी गई. कृषि ऋण में पिछले वर्ष की समानांतर अवधि में 18.9% की तुलना में इस वर्ष 22.4% की वृद्धि हुई.

1.302 साख वृद्धि जमा वृद्धि से एक बड़े अंतर से आगे निकल गई. अनुसूचित बैंकों की सकल जमा राशि में पिछले वर्ष के 12.8% (रु. 1,92,269 करोड़) रुपांतरण की निवल संपत्ति की तुलना में 2005-06 के दौरान 22.8% (रु. 3,87,471) की वृद्धि हुई. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धिशील अखाद्य ऋण जमा अनुपात एक वर्ष के 117.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005-06 के दौरान 113.2 प्रतिशत की ऊँचाई पर बना रहा. सार्थक रुप से, वृद्धिशील अखाद्य ऋण जमा अनुपात 2005-06 की प्रथम छमाही के 90.4% से उछल कर दूसरी छमाही में 132.3% हो गया.

1.303 ऋण मांग के लिए निधिपूर्ति हेतु जमा राशि प्राप्त करने में बेंक के प्रयासों ने बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि की परिपक्वता प्रोफाइल के स्पष्ट घटाव और बढ़ती हुई जमा राशि में मार्जिन में वृद्धि को दर्शा दिया है. मांग जमा राशि ने एक वर्ष पूर्व के 16.1 प्रतिशत से 2005-06 में बढ़कर 21.4 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज की है. आवधिक जमा राशि में 16.1

1.300 Banking Industry Trends:

1.301 Scheduled commercial banks' (SCB) credit rose by 36.0 per cent (Rs.3,96,045 crore) during 2005-06, over and above 27.0 per cent (Rs.2,26,761 crore), net of conversion of a financial institution into a bank, in the previous year. Food credit increased by Rs.667 crore as against an increase of Rs.5,159 crore in the previous year. Non-food credit remained the key driver of banking activity, growing by 37.3 per cent (Rs.3,95,379 crore) on top of 27.5 per cent (Rs.2,21,602 crore), net of conversion, a year ago. Distinct shifts in the pattern of deployment of non-food bank credit have become increasingly evident as highlighted by successive monetary policy reviews in 2005-06. During April–January, 2005-06 credit to services sectors emerged as the dominant category, increasing by 36.2 per cent as against 25.1 per cent a year ago and accounting for 63.1 per cent of the incremental non-food credit. Within this category, retail lending has risen rapidly. Retail credit expanded at rates ranging between 22-41 per cent since 2001-02 and accounted for 26.7 per cent of the incremental non-food credit in 2005-06. It is pertinent to note that the share of advances to 'individuals' increased from about 10 per cent of total bank credit in March 2002 to nearly 25 per cent in January 2006. Loans to commercial real estate rose by 84.4 per cent in 2005-06, constituting 4.4 per cent of incremental non-food credit. Housing loans increased by 29.1 per cent and accounted for 14.6 per cent of incremental non-food credit. While the flow of credit to industry as a whole showed a modest increase of 15.6 per cent in 2005-06 from 11.3 per cent a year ago, bank credit to the infrastructure industries, especially power, rose by 28.8 per cent on top of 32.9 per cent a year ago. Substantial increases were observed in credit flow to industries like food processing, iron and steel, cotton textiles, vehicles, chemicals, gems and jewellery and construction. Agricultural credit increased by 22.4 per cent as compared with 18.9 per cent in the corresponding period of the previous year.

1.302 The credit growth outpaced deposit growth by a substantial margin. The aggregate deposits of SCBs increased by 22.8 per cent (Rs.3,87,471 crore) during 2005-06 as against an increase of 12.8 per cent (Rs.1,92,269 crore), net of conversion, in the previous year. The year-on-year incremental non-food credit-deposit ratio continued to remain high at 113.2 per cent during 2005-06 as compared with 117.4 per cent a year ago. Significantly, the incremental non-food credit deposit ratio jumped from 90.4 per cent in the first half of 2005-06 to 132.3 per cent in the second half of the year.

1.303 Banks' efforts to raise deposits to fund the credit demand has led to a visible shortening of the maturity profile of deposits in the banking system and an escalation at the margin in the cost of raising deposits. Demand deposits registered a year-on-year growth of 21.4 per cent in 2005-06, up from 16.1 per cent a year ago. While time deposits

प्रतिशत (एक वर्ष पूर्व के 14.9% की तुलना में) वृद्धि हुई, यह मुख्य रूप से उन दरों पर एक वर्ष तक की परिपक्वता तक अल्पावधि थोक जमा राशि के कारण थी जिसकी 8.0-8.5 प्रतिशत के बीच बोली लगाई गई थी. सामंजस्य में, जमा प्रमाण पत्रों (सीडी) की रियायती दरें भी फरवरी 2006 से 8.0% से आगे बढ़ गईं. जमा राशि संग्रहण हेतु बैंक द्वारा किए गए प्रयास कार्पोरेट ग्राहकों की अस्थायी बड़ी जमा राशि के पक्ष में रुपांतरित होते हुए प्रतीत हो रहें हैं. तुलनात्मक रूप से ऊँची ब्याज दरों पर प्राप्त की गई बड़ी जमा राशि ऊँची ऋण मांग के रूप में टिकाऊ आधार पर कायम नहीं रह सकती और जिसमें तुलन पत्र प्रबंधन व लाभप्रदता के लिए प्रतिकूल परिणामों की संभावना होती है. इसलिए बैंकों के लिए इसे दुहराने की आवश्यकता है कि वे इस दिशा में अपनी नीतियों की समीक्षा करें तथा बैंकिंग सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता तक विस्तृत पहुँच उपलब्ध कराते हुए स्थायी खुदरा जमा राशि संग्रहित करने के लिए दीर्घकालीन प्रयास करें. यह किसी अनुचित आस्ति-देयता बेमेलों का सामना किए बिना ही विवेकपूर्ण व्यवसाय विस्तार को संभाले रखेगा.

1.304 अखाद्य ऋण का विस्तार करने के अभियान ने बैंक के पोर्टफोलियो में परिवर्तन को प्रभावित किया है. सांविधिक चल-निधि अनुपात निवेश में गिरावट ने काफी हद तक उच्चतर ऋण मांग की पूर्ति की है. वर्ष 1969 में जब से बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ तब से पहली बार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा सरकार एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में वर्ष 2004-05 में, रु. 49,373 करोड़, रुपांतरण की निवल राशि, की वृद्धि की तुलना में रु. 11,576 करोड़ के निवेश से इंकार कर दिया गया. बैंकों द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और निजी कार्पोरेट क्षेत्र एवं वाणिज्यिक पत्र (सीपी) के बांडों / डिबेंचरों / शेयरों में पिछले वर्ष के 5.3% (रु. 4,775 करोड़) की वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 13.0 प्रतिशत (रु. 12,238 करोड़) निवेश करने से इंकार कर दिया गया. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से व्यावसायिक क्षेत्र में, गैर-चल-निधि अनुपात निवेश सहित निधियों के कुल प्रवाह में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि एक वर्ष पूर्व के 30.2% (रु. 2,79,326 करोड़) की तुलना में इस वर्ष 27.4% (रु. 3,30,866 करोड़) थी.

1.305 समग्र रुप से, बैंकिंग प्रणाली ने मुख्य रूप से भारतीय सहस्त्राब्दि जमा राशि की मुक्ति से उत्पन्न हुए बहिर्गमन के कारण वर्ष 2006 की शुरूआत में चल-निधि कठिनाइयों को महसूस किया. तथापि, राजकोषीय वर्ष के अंत में चल-निधि कुछ सहज होती प्रतीत हुई. तथापि, ब्याज दरें, विशेषकर जमा राशियों के लिए ब्याज दरें 50-100 आधार-बिन्दुओं के लगभग बढ़ चुकी थीं जब कि अग्रिमों पर ब्याज दरें सब मिलाकर अपरिवर्तनीय रहीं सिवाय आवासीय और खुदरा ऋणों के.

2.000 बैंक का कारोबारी निष्पादन

2.100 कुल कारोबार संमिश्र

2.101 वित्तीय वर्ष 2005-06 के दौरान, बैंक ने 31 मार्च, 2005 को कारोबार संमिश्र में रु. 32,762 करोड़ की तुलना में 17.12% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2006 को रु. 38,371 करोड़ का कारोबार संमिश्र हासिल किया.

2.102 बैंक की जमा राशि ने पिछले वर्ष 31 मार्च, 2005 के रु. 20,897 करोड़ के स्तर में 13.05% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2006 को रु. 23,623 करोड़ का स्तर हासिल किया.

increased by 16.1 per cent (as against 14.9 per cent a year ago), this was mainly on account of short-term wholesale deposits up to one year maturity at rates which were bid up to a range of 8.0-8.5 per cent. In consonance, discount rates on certificates of deposit (CDs) also rose beyond 8.0 per cent from February, 2006. Banks' deposit mobilisation efforts seem to have turned in favour of non-core bulk deposits of corporates instead of core retail deposits. Bulk deposits raised at relatively higher rates cannot sustain a higher credit demand on an enduring basis and have a potential for adverse consequences for balance sheet management and profitability. It is, therefore, necessary to reiterate the need for banks to review their policies in this regard and make sustained efforts towards mobilising stable retail deposits by providing wider access to better quality of banking services. This would sustain prudent business expansion without facing undue asset-liability mismatches.

1.304 The drive to expand non-food credit induced shifts in banks' portfolios. The decline in statutory liquidity ratio (SLR) investments accommodated the higher credit demand to a large extent. For the first time since the nationalisation of banks in 1969, investment by SCBs in Government and other approved securities declined by Rs.11,576 crore in contrast to an increase of Rs.49,373 crore, net of conversion, in 2004-05. The Banks' investments in bonds/debentures/shares of public sector undertakings and the private corporate sector and commercial paper (CP) declined by 13.0 per cent (Rs.12,238 crore) as compared with an increase of 5.3 per cent (Rs.4,775 crore) in the previous year. The year-on-year increase in total flow of funds from SCBs to the commercial sector, including non-SLR investments, was 27.4 per cent (Rs.3,30,866 crore) as against 30.2 per cent (Rs. 2,79,326 crore) a year ago.

1.305 Overall, the Banking system experienced liquidity constraints at the beginning of 2006, mainly on account of outflows arising out of redemption of India Millennium Deposits. However, towards the fiscal end, the liquidity seems to have eased a bit. However, interest rates, particularly for deposits had moved northwards by about 50 – 100 basis points while interest rates on advances had by and large remained unchanged except for segments like Housing and retail credit.

2.000 Business Performance of the Bank

2.100 Total Business Mix

2.101 During the financial year 2005-06, the Bank achieved Business Mix of Rs.38371 crore as on March 31, 2006, as compared to the Business Mix of Rs.32762 crore as on March 31, 2005 registering a growth of 17.12%.

2.102 The Deposits of the Bank have grown to Rs.23623 crore as on March 31, 2006 from a level of Rs. 20897 crore as on March 31, 2005 registering a growth of 13.05% over the previous year's level.

2.103 बैंक का अपना सकल अग्रिम 31 मार्च, 2005 के रु.11,865 करोड़ के स्तर में 24.30% की वृद्धि का संकेत करते हुए 31 मार्च, 2006 को बढ़कर रु. 1,748 करोड़ हो गया है.

2.104 बैंक के पिछले दो वर्षों के कुल कारोबार संमिश्र की संरचना निम्न प्रकार से है :

(करोड़ रुपए में)

कारोबार संमिश्र	31 मार्च 2005	31 मार्च 2006
कुल जमा राशि*	20897	23623
कुल अग्रिम	11865	14748
कुल कारोबार संमिश्र	32762	38371

(*) पुर्नसमूहित आंकड़े

2.103 The Gross Advances of the Bank have increased to Rs.14748 crore as on March 31, 2006 as compared to Rs. 11,865 crore as on March 31, 2005, indicating an increase of 24.30%.

2.104 The composition of Total Business Mix of the Bank for the last two years is as under:

(Rupees in crore)

Business Mix as at	31st March 2005	31st March 2006
Total Deposit*	20897	23623
Total Advance	11865	14748
Total Business Mix	32762	38371

(*) Figures regrouped

2.200 जमा संग्रहण

2.201 बैंक की जमा राशि 31 मार्च, 2005 के रु. 20,897 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2006 को 13.0% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 23,623 करोड़ रही. जमा राशि की संरचना इस प्रकार है :

जमा राशि श्रेणी	31 मार्च, 2005 (करोड़ रुपए में)	31 मार्च, 2005 कुल जमाराशियों में अंश	31 मार्च, 2006 (करोड़ रुपए में)	31 मार्च, 2006 कुल जमाराशियो में अंश
चालू	2123.61	10.16%	2380.57	10.08%
बचत	6660.06	31.87%	7930.63	33.57%
सावधि *	12112.88	57.97%	13311.86	56.35%
कुल जमाराशि	20896.55	100.00%	23623.06	100.00%

* पुर्नसमूहित आँकड़े

2.202 सकल जमा राशि में कम लागत वाली जमा राशि का अंश 31 मार्च, 2005 को 44.15% की तुलना में 219 आधार बिन्दु सुधर कर 31 मार्च, 2006 को 46.34% हो गया.

2.203 कम लागत वाली जमा राशि में वृद्धि करने के लिए किए गए जोरदार प्रयासों ने घरेलू सावधि जमा राशियों पर ब्याज दरों में वृद्धि होने के बावजूद अपनी जमा लागत कम करने में बैंक की मदद की. जमा राशि की औसत लागत वित्त वर्ष 2002-03 में 6.65%, 2003-04 में 5.78%, और 2004-05 में 4.85% की तुलना मे वर्ष 2005-06 में 4.58% थी.

2.300 ऋण वितरण

2.301 बैंक का सकल अग्रिम वित्त वर्ष के दौरान रु. 2,883 करोड़ बढ़ गया अर्थात् यह 31 मार्च, 2005 के रु. 11,865 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2006 को रु. 14,748 करोड़ हो गया. बैंक का निवल अग्रिम 31 मार्च, 2005 के रु. 11,309 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2006 को रु. 14,231 करोड़ हो गया यानी इसमें 25.84% की वृद्धि हुई.

2.400 खुदरा ऋण :

2.401 वर्ष 2005-06 के दौरान साख पोर्टफोलियो बढ़ाने के लिए एक विकास इंजिन के रुप में खुदरा बैंकिंग की पहचान की गई

2.200 Deposit Mobilisation

2.201 The Deposits of the Bank stood at Rs.23623 crore as on March 31, 2006 as compared to Rs. 20897 crore as on March 31, 2005 registering an increase of 13.05%. The composition of Deposits is as under:

Deposit Category	As on March 31, 2005 (Rupees in crore)	As on March 31, 2005 Share in Total Deposits	As on March 31, 2006 (Rupees in crore)	As on March 31, 2006 Share in Total Deposits
Current	2123.61	10.16%	2380.57	10.08%
Saving	6660.06	31.87%	7930.63	33.57%
Term *	12112.88	57.97%	13311.86	56.35%
Total Deposits	20896.55	100.00%	23623.06	100.00%

* figures regrouped

2.202 The share of Low Cost Deposits to Aggregate Deposits improved by 219 basis points to 46.34% as on March 31, 2006 as compared to 44.15% as on March 31, 2005.

2.203 The aggressive efforts to increase the share of low cost deposits helped the Bank to reduce its cost of deposits despite the increase in interest rates on domestic term deposits. The Average Cost of Deposits was 4.58% for the financial year 2005-06 against 4.85% for the financial year 2004-05, 5.78% for the financial year 2003-04 and 6.65% for the financial year 2002-03.

2.300 Credit Dispensation

2.301 The Gross Advances of the Bank have increased by Rs.2883 crore or 24.30% during the financial year i.e. from Rs. 11,865 crore as on March 31, 2005 to Rs.14748 crore as on March 31, 2006. The Net Advances of the Bank have increased from Rs. 11,309 crore as on March 31, 2005 to Rs.14231 crore as on March 31, 2006 i.e. an increase of 25.84%.

2.400 Retail Credit:

2.401 The Retail Banking has been identified as one of the growth engines for increasing credit portfolio during the year 2005

है. ग्राहक की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए बैंक की 9 खुदरा बैंकिंग योजनाएँ हैं. बाजार के परिदृश्य और ग्राहक की आवश्यकताओं को देखते हुए समय-समय पर योजनाओं को समयानुरूप और चुस्त बनाया जाता है. व्यापक प्रचार के माध्यम से खुदरा बैंकिंग योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए सघन प्रयास किए गए हैं.

- 06. The Bank has 9 Retail Banking Schemes catering to the various needs of a customer. The schemes are fine tuned from time to time keeping in view the market scenario and the customer requirements. concerted efforts were made to popularise the retail banking schemes through wide publicity.

2.402 फिनमार्ट :

2.402 FinMarts**:**

2.403 खुदरा ऋण पोर्टफोलियों के निर्माण में ध्यान केन्द्रित करवाने एवं लाभार्जन समय को कम करने के क्रम में एक नवोन्मेषी अवधारणा - 'फिनमार्ट' का शुभारंभ किया गया है. ''फिनमार्ट'' शाखा के अंदर की शाखा के रूप में परिचालित एक खुदरा बैंकिंग बुटिक है जिसमें स्मार्ट और समर्पित स्टाफ कार्यरत होते हैं और वे एक छत के नीचे मैत्रीपूर्ण ग्राहक परिवेश में प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा सरलीकृत प्रक्रिया सहित अद्यतन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सभी प्रकार के खुदरा ऋण उत्पाद उपलब्ध करवाते हैं. ''फिनमार्ट'' अवधारणा को परिणामतः अच्छी स्वीकृति मिली है. खुदरा ऋण के अंतर्गत नए ग्राहकों के अधिग्रहण ने तीव्र प्रगति दर्ज की है. 31-3-2006 को पूरे देश के विभिन्न केन्द्रों में कुल 50 फिनमार्ट कार्यरत थे.

2.403 In order to provide focused attention in building the retail credit portfolio and to reduce the turnaround time, an innovative concept "FinMart" has been launched. "FinMarts" are Retail Banking boutiques operating as a branch within a branch with smart and dedicated staff and provide all the Retail Credit products under one roof in a customer friendly ambience by using latest technology with simplified process by trained officials. The "FinMart" concept has been well received as a result, new client acquisitions under Retail Credit have registered a steep rise. As of 31-03-2006, a total of 50 FinMarts were in operation at various centers across the country.

2.404 योजनाओं का परिमार्जन :

2.404 Refinement of Schemes**:**

2.405 वर्ष के दौरान 'देना बंधक ऋण योजना' के अंतर्गत ओवरड्राफ्ट सुविधा शुरू की गई है. यह योजना अचल संपत्ति की प्रतिभूति के एवज़ में लोगों को सामान्य उद्देश्य वाले ऋण / ओवरड्राफ्ट की सुविधा प्रदान करती है. इसके अलावा, क्षेत्र में कार्यशील लोगों से प्राप्त प्रतिपुष्टि के आधार पर एवं अपने उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए प्रचलित योजनाओं को आशोधित किया गया है.

2.405 Overdraft facility under 'Dena Mortgage Loan Scheme' has been launched during the year. The scheme provides for general purpose loan/OD to individuals against the security of immovable property. Besides this, the existing schemes were modified based on the feedback received from the field functionaries & to make our products competitive.

2.406 संस्थानों से गठजोड़ व्यवस्था : वर्ष के दौरान शैक्षणिक ऋणों एवं व्यक्तिगत ऋणों के लिए विभिन्न संस्थानों / विभागों के साथ गठजोड़ किया गया है.

2.406 Tie-ups with institutions**:** Special Tie-up arrangement with various institutions / Departments were made for Educational Loans & Personal loans during the year.

2.407 आवासीय वित्त : ग्राहकों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप आवासीय वित्त हेतु बैंक की योजना ''देना निवास'' में उपयुक्ततः आशोधन किया गया है. आलोच्य वर्ष के दौरान योजना के तहत नए संवितरण रु. 540 करोड़ किए गए. वर्ष के दौरान योजना के तहत बकाया राशि 98.89% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 541 करोड़ से बढ़कर रु. 1075 करोड़ हो गई.

2.407 Housing Finance**:** 'Dena Niwas'the Banks scheme for housing finance, has been suitably modified in tune with customers' expectations and needs. During the year under review, fresh disbursement under the scheme was Rs.540 crores. During the year outstanding under the scheme increased from Rs.541 crores to Rs.1075 crores registering a growth of 98.89%.

2.408 शैक्षणिक ऋण : वित्त वर्ष के दौरान शैक्षणिक ऋण योजना के तहत बकाया राशि 85.25% यानी रु. 48 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 57 करोड़ से बढ़कर रु. 105 करोड़ हो गई.

2.408 Educational Loan**:** During the Financial year, the outstanding under the Educational loan scheme has increased from Rs.57 crores to Rs.105 crores i.e. an increase of Rs.48 crores i.e. increased by 85.25%.

2.409 नई पहलकदमियों और आक्रामक दबाव के परिणामस्वरूप खुदरा ऋण पोर्टफोलियों में मात्रात्मक उछाल आया है और 31 मार्च, 2006 को रु. 2,249 करोड़ के स्तर पर पहुँचने के लिए कुल खुदरा ऋण के अंतर्गत बकाया राशि ने 52.26% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु.772 करोड़ की वृद्धि दर्शायी है. खुदरा ऋण के अंतर्गत नए संवितरण पिछले वर्ष के रु. 867 करोड़ की तुलना में रु. 937 करोड़ तक किए गए. खुदरा ऋण के अंतर्गत कुल उधार खातों की संख्या 31-3-2005 को 63106 से बढ़कर 31-3-2006 को 80932 हो गई यानी 17826 खातों की वृद्धि हुई. वर्ष 2005-06 के दौरान खुदरा ऋण की वृद्धि में देना निवास, देना विद्या लक्ष्मी और देना बंधक ने वास्तविक रूप में योगदान किया है.

2.409 The new initiatives and the aggressive thrust resulted in a quantum jump in the retail credit portfolio and the outstanding amount under total retail credit registered a growth of 52.26 % showing an increase of Rs.772 crore to reach the level of Rs.2249 crore as of 31st March, 2006. Fresh disbursement under retail credit was made to the extent Rs. 937 crore as compared to Rs.867 crore in the previous year. The total number of borrowal accounts under retail were increased from 63106 as of 31.3.2005 to 80932 as of 31.3.2006 i.e. an increase of 17826. The Schemes namely Dena Niwas, Dena Vidya Laxmi, and Dena Mortgage have contributed substantially in growth of Retail credit during the year 2005 - 06.

2.410 नई पहलकदमियाँ

2.411 बैंक ने खुदरा ऋणों हेतु केन्द्रीकृत कार्रवाई/ स्वीकृति के लिए केन्द्रीय प्रक्रिया केन्द्रों की स्थापना करने की पहल की है. बड़ी मात्रा में ऋण प्रकरणों को निपटाने, स्वीकार्य रूप से लाभार्जन समय को कम करने और ग्राहकों पर आने वाली लागतों को भी कम करने के उद्देश्य से इन केन्द्रीकृत प्रक्रिया केन्द्रों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं. केन्द्रीय प्रक्रिया केन्द्र का परिचालन मुंबई में जनवरी, 2006 में शुरू हो गया है.

2.500 प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम :

2.501 प्राथमिकता क्षेत्र को उधार देने के माध्यम से बैंक अपने सामाजिक दायित्वों को अनुकूलता के साथ पूरा करता आ रहा है. वर्ष 2005-06 के दौरान प्राथमिकता क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों को ऋण प्रवाह में बढ़ोतरी के लिए विशेषकर कृषि पर जोर देते हुए बैंक ने बहुभुजीय रणनीतियाँ बनाई है.

2.502 बैंक का प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम मार्च, 2006 के अंतिम शुक्रवार को रु. 6074 करोड़ रहा. मार्च, 2006 में निवल बैंक ऋण में प्राथमिकता क्षेत्र का अनुपात 40% के भारतीय रिजर्व बैंक बेंचमार्क के समक्ष 2.20% था.

2.503 कृषि उधार :

2.504 बैंक कृषि हेतु ऋण प्रवाह को आगे बढ़ाता रहा है जो कि देश की जनसंख्या के प्रायः दो तिहाई भाग का मुख्य पेशा है. बैंक ने नई नीतिगत पहलकदमियाँ अपनाते हुए प्रचलित नीतियों में आशोधन करते हुए तथा खेतीहर समुदाय के लिए बने पैदावार संबंधी तौर-तरीकों की रूपरेखा तैयार करते हुए कृषि वित्तपोषण परिचालन को फिर से सुसज्जित किया है.

2.505 वर्ष के दौरान, बकाया कृषि ऋण मार्च, 2005 के रु. 1749 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2006 में 2363 करोड़ हो गए. निवल बैंक उधार में कृषि अग्रिम का प्रतिशत मार्च, 2006 में 16.41 था.

2.506 देना किसान क्रेडिट कार्ड :

2.507 किसानों को झंझटमुक्त अल्पावधि ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 1998-99 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना बैंक द्वारा संशोधित की गई है ताकि संशोधनों के द्वारा इसे अधिक कृषक-मैत्रीपूर्ण बनाया जा सके. वर्ष 2005-06 के दौरान 25000 नए कार्ड जारी करने के लक्ष्य के समक्ष बैंक द्वारा किसानों को इस वर्ष कुल 25974 नए कार्ड जारी किए गए.

2.508 किसान क्रेडिट कार्डों की कुल बकाया 1 लाख की सीमा को पार कर गई जिसकी राशि मार्च, 2006 में रु. 526 करोड़ है ।

2.509 विशेष कृषि साख योजना के अंतर्गत प्रगतिः

2.510 तीन वर्षों में कृषि को ऋण प्रवाह दुगना करने की सरकारी घोषणा के अनुसरण में बैंक ने रु. 861 करोड़ के लक्ष्य के समक्ष रु. 901 करोड़ का संवितरण करते हुए कृषि को वृद्धिशील ऋण प्रवाह के 30% के निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है.

2.410 New initiatives :

2.411 The Bank has initiated to establish Central processing centers (CPCs) for centralised processing / sanctions of retail loans.These CPCs are to be equipped to handle large volume, reduce turnaround time considerably and also reduce cost to the customers. First Central Processing Center is operationalised in January, 2006 at Mumbai.

2.500 Advances to Priority Sector**:**

2.501 The Bank has been consistently fulfilling its social responsibilities through priority sector lending. The Bank has put in place multi pronged strategies, during the year 2005-06 to enhance credit flow to various sectors of priority sector with special thrust on agriculture.

2.502 Priority Sector advances of the Bank as on last reporting Friday of March 2006 amounted to Rs 6074 Crore. The ratio of priority sector to Net Bank Credit as at March 2006 was 42.20% against the RBI benchmark of 40%.

2.503 Agriculture Lending:

2.504 The Bank has been promoting the flow of credit to agriculture which is the main vocation of the country for almost 2/3rd of it s popluation. The Bank has revamped its agriculture financing operations by adopting fresh policy initiatives, modify ing the existing policies and formulating product lines tailor made for the farming community.

2.505 During the year, the outstanding agricultural credit increased from Rs 1749 crore as on March 2005 to Rs. 2363 crore as on March 2006. The ratio of agriculture advances to Net Bank Credit as of March, 2006 was 16.41%.

2.506 Dena Kisan Credit Cards:

2.507 The scheme introduced in the year 1998-99 by Government of India to provide hassle free short term credit to farmers has been modified by the Bank so as to make it more farmer friendly by effecting a number of changes. A total 25974 fresh Kisan Credit Cards, were issued to farmers during the year 2005-06 exceeding the target of issuing 25000 new cards.

2.508 The total outstanding number of Kisan Credit Cards exceeded landmark of 1 lakh involving Rs 526 crore as on March 2006.

2.509 Progress under Special Agricultural Credit Plan:

2.510 The Bank has surpassed the targeted 30% incremental flow of credit to agriculture, in line with the Government's announcement of doubling credit flow to agriculture in 3 years by disbursing Rs 901 crore as against the target of Rs 861 crore.

2.511 सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत प्रगति (एमआईएस) :

2.512 सिंचाई वाले क्षेत्र को और विस्तृत करने के क्रम में गुजरात सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की संस्थापना के लिए एक भारी सबसिडी संबद्ध योजना की घोषणा की है. यह योजना गुजरात ग्रीन रिवॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है. बैंक ने सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की संस्थापना के लिए किसानों को ऋणों की स्वीकृति के माध्यम से इस योजना के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से सहभागिता की है. बैंक ने उक्त योजना के तहत रु. 721 लाख की राशि तक के लिए 423 आवेदन स्वीकृत किए हैं.

2.513 स्व सहायता समूहों को वित्तपोषण (एसएचजी)

2.514 स्व सहायता समूहों (एसएचजी) और अन्य सूक्ष्म मध्यवर्ती संस्थाओं से संबद्ध रहना और उनहें बढ़ावा देना बैंक के प्रमुख कार्यों में से एक रहना जारी रहा. चालू वर्ष के दौरान 1724 नए स्व सहायता समूहों की संचयी संख्या मार्च, 2006 में बढ़कर 3542 हो गई है जिसकी कुल राशि रु. 25 करोड़ है.

2.515 किसान क्लबों का गठन :

2.516 बैंक ने ऋण देने के साथ-साथ जागरूकता और क्षमता निर्माण के माध्यम से ग्रामीण विकास लाने के लिए प्रेरक के रूप में किसानों के क्लब की पहचान की है. किसान क्लब के गठन पर बैंक द्वारा केन्द्रीकृत ध्यान दिलाए जाने के कारण, वर्ष के दौरान 500 से अधिक नए किसान क्लबों का गठन किया गया है जिससे मार्च, 2006 तक किसान क्लबों की कुल संख्या 600 से अधिक हो गई है.

2.517 वित्तीय समावेश :

2.518 शर्त रहित खाते : शर्त रहित खातों के विषय में भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय समावेश से सबंधित नीति के अनुसरण में एक बहुत ही सुविधाजनक शर्तों वाली ''देना अल्प बचत खाता जमा योजना'' का शुभारंभ किया गया.

2.519 देना सामान्य क्रेडिट कार्ड (डीजीसीसी)

2.520 ग्रामीण एवं शहरी शाखाओं के ग्राहकों को बिना किसी कठिनाई के साख उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैंक ने जनवरी 2006 से ''देना सामान्य क्रेडिट कार्ड'' नामक एक नयी सामान्य क्रेडिट कार्ड योजना आरंभ की है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य ऋण के उद्देश्य, अंतिम उपयोग तथा प्रतिभूति पर जोर दिए बिना रु. 25,000/- तक का परिक्रामी ऋण उपलब्ध कराना है।

2.521 भारत सरकार की 2% ब्याज राहत योजना के तहत किसानों को राहत

2.522 भारत सरकार ने बजटीय घोषणा के एक भाग के रूप में यह घोषित किया है कि वर्ष 2005-06 के खरीफ/रबी मौसम के लिए किसानों द्वारा लिए गए रु. एक लाख तक की राशि के मूल कृषि ऋणों पर ब्याज में दो प्रतिशत की राहत प्रदान की जाए. तद्नुसार भारत सरकार के निर्देश पर ब्याज राहत के रूप में कुल रु. 5 करोड़ की राशि को पात्र किसानों के खातों में जमा किया गया है तथा इसकी प्रतिपूर्ति का दावा भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत कर दिया गया है.

2.523 अन्य नए उत्पादों का शुभारंभ

2.511 Progress under Micro Irregation Systems (MIS):

2.512 In order to enlarge the area under irrigation, the Govt. of Gujarat has announced a massive subsidy linked scheme for installation of MIS. The scheme is being implemented in association with Gujarat Green Revolution Company Ltd. The Bank has actively participated in the implementation of the scheme by sanctioning loans to farmers for installation of micro irrigation system. The Bank has sanctioned 423 applications amounting Rs 721 lakh under the said scheme.

2.513 Financing Self Help Groups (SHGs):

2.514 Promoting and linking Self Help Groups (SHGs) and other Micro Finance Intermediaries (MFIs) with Bank credit continued to be thrust area of the Bank. During the current year 1724 new SHGs were credit linked amounting Rs.8 crore. The cumulative number of SHGs credit linked by the Bank increased to 3542 as on March 2006 involving an amount of Rs 25 crore.

2.515 Foramtion of Farmers'Clubs:

2.516 The Bank has identified Farmers Club as a catalyst for bringing about rural development through credit coupled with awareness and capacity building. Due to the focused attention laid by the bank on formation of Farmers club, over 500 new Farmers Club have been formed during the year thus taking the number of total Farmers Club to over 600 as of March, 2006.

2.517 Financial Inclusion:

2.518 No Frills Accounts: In pursuance of the policy of the RBI towards financial inclusion, a scheme in respect of No Frills account s entitled as "Dena Alp Bachat Khata Deposit Scheme" was launched during the year at very convenient terms.

2.519 Dena General Credit Card (DGCC):

2.520 With a view to provide hassle free credit to bank's customers in rural and semi urban branches, akin to Kisan Credit Cards, the Bank has launched a general credit card scheme known as "Dena General Credit Card" in January, 2006. The scheme aims at providing cr edit upto Rs. 25000/- in the nature of revolving credit without insisting on security, purpose or end use of credit.

2.521 Relief to Farmers under Govt. of India's 2% Interest Relief Scheme:

2.522 As a part of the Budget announcement the Govt. of India has announced a grant of insterest relief of two percentage points in the interest rate on the principal amount up to Rs.One lakh on crop loans availed by the farmers fro khariff/ rabi 2005-06. Accordingly, a total amount of interest relief of Rs.5 crore has been credited in to accounts of eligible farmers as directed by Govt. of India & claim has been lodged for reimbursement with RBI.

2.523 Launch of other new products:

2.524 ग्रामीण साख प्रदान करने की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के क्रम में अन्य नए उत्पादों यथा 'देना ग्रामीण इंटरनेट कियोस्क योजना' तथा देना भूमिहीन क्रेडिट कार्ड योजना का भी शुभारंभ किया गया है. बैंक ने अपनी चयनित शाखाओं में विभिन्न कृषि उत्पादों के मूल्यों की सूचियां भी किसानों के हितार्थ प्रदर्शित करने के लिए एनसीडीईएक्स से भी एक समझौता किया है.

2.524 In order to strengthen the rural credit delivery machanism, a number of other new products viz. Dena Rural Internet Kiosk Scheme, Dena Bhumiheen Credit Card Scheme were launched. Bank has also entered in to tie up with NCDEX for display of price tickers of agricultural commodities at select branches for the benefit of farmers.

2.525 निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) संबंधी उपाय :

2.525 Corporate Social Responsibility (CSR) Measures:

2.526 देना रूडसेटी

2.526 DENA RUDISETI**:**

2.527 बैंक द्वारा स्थापित सोसायटी 'देना ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान' (डीआरडीएफ) द्वारा समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मेहसाणा में एक और ''देना ग्रामीण विकास तथा स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान'' की स्थापना की गई है, जिसके साथ ऐसे संस्थानों की संख्या अब दो हो गई है. इन प्रशिक्षण केन्द्रों का उद्देश्य उभरते हुए उद्यमियों, छोटे व्यापारियों, कारीगरों, महिलाओं तथा किसानों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे वे लाभकारी आर्थिक गतिविधियां कर सके. वर्ष के दौरान इन संस्थानों ने 1075 ग्रामीण युवक/युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है.

2.527 During the year under review, the Dena Rural Development Foundation (DRDF), a society set up by the Bank has opened one more Dena Rural Development & Self Employment Training Institute (RUDSETI) at Mehsana thus taking the number of such institutes to two. These training centres aim at imparting vocational trainings to budding entrepreneurs, small traders, craftsman / women, farmers etc. thus helping them in taking up gainful economic activities. These institutes have imparted training to 1075 rural youth during the year.

2.528 छोटी बालिकाओं की शिक्षा को प्रायोजित करना :

2.528 Sponsoring Education of Girl Child:

2.529 निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के भाग के रूप में बैंक ने एक अभिनव योजना ''देना लक्ष्मी शिक्षा प्रोत्साहन योजना'' का शुभारंभ किया है जिसके अंतर्गत बैंक अपने सेवा क्षेत्र के गांवों की छोटी बालिकाओं की शिक्षा को प्रायोजित करेगा. इस योजना के तहत बैंक गुजरात राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश दादरा नगर एवं हवेली की अपनी शाखाओं के कमान क्षेत्र में आने वाले स्कूलों में से ऐसी बालिकाओं की पहचान करते हुए उनकी शिक्षा के लिए रु. 1000/- प्रति वर्ष का प्रावधान करेगा जिन्होंने कक्षा 7 में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये हों तथा जो गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से हों.

2.529 As a part of Corporate Social Responsibility, the Bank has introduced a novel scheme under which it proposes to sponsor education of Girl Child in the villages served by the Bank, under its scheme viz: Dena Laxmi Shiksha Protsahan Yojana. The Scheme aims at provision of a scholarship of Rs 1000/- per annum to one identified girl student belonging to Below Poverty Line family, to be selected from the schools, in the command area of the Branches of Bank in the State of Gujarat and Union Territory of Dadra Nagar & Haveli , based on the highest marks secured in 7th standard. The Bank has provided scholarship to 236 girl child under the said scheme.

2.530 किसानों को प्रशिक्षण

2.530 Training to Farmers:

2.531 कृषि जगत में हो रहे अद्यतन तकनीकी विकास की जानकारी प्रदान कराने के उद्देश्य से बैंक ने अपने उधारकर्ता किसानों के प्रशिक्षण हेतु कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर व्यवस्था की है. वर्ष के दौरान बैंक ने लगभग 1000 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया.

2.531 In order to empower the farmers with latest technological development in the field of agriculture, the Bank has arranged training to our farmer borrowers in association with Agricultural Universities. The Bank has provided training to about 1000 of farmers during the year.

2.532 ग्राम अंगीकरण :

2.532 Village Adoption**:**

2.533 गुजरात राज्य, जहाँ बैंक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) का संयोजक है, वहां गांवों के संपूर्ण विकास हेतु अंगीकरण किया जा रहा है.

2.533 Villages in the State of Gujarat, where the Bank is Convenor for State Level Bankers Committee (SLBC), have been adopted for bringing about total village development.

2.534 सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाएं :

2.534 Government Sponsored Schemes:

2.535 गरीबी उन्मूलन तथा स्वरोजगार हेतु चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बैंक अपने सभी गंभीर प्रयास कर रहा है. वर्ष 2005-06 के दौरान बैंक ने 'प्रधान मंत्री रोजगार योजना' के तहत 3809 लाभार्थियों को रु. 23 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं तथा स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत 4908 लाभार्थियों को रु. 20 करोड़ स्वीकृत किए हैं.

2.535 The bank is making earnest efforts to implement government sponsored schemes aimed at eradication of poverty and for generating self employment. During the year 2005-06, the Bank has sanctioned loans to 3809 beneficiaries under Prime Minister's Rozgar Yojana (PMRY) amounting to Rs. 23 crores and also granted loans to 4908 beneficiaries under Swanjayanti Gram Swarozgar Yojana(SGSY) to the tune of Rs. 20 crore.

2.536 अग्रणी बैंक योजना

2.536 Lead Bank Scheme:

2.537 कुल 13 जिलों में बैंक का अग्रणी बैंक दायित्व है, जिनमें से 7

2.537 The Bank has a Lead Bank responsibility in total 13

जिले गुजरात राज्य में, 5 जिले छत्तीसगढ़ राज्य में और 1 जिला दादरा व नगर हवेली संघ शासित प्रदेश में है. गुजरात राज्य एवं दादरा एवं नगर हवेली संघ शासित प्रदेश के क्षेत्रों में अपनी विस्तृत मौजूदगी के कारण देना बैंक इन राज्यों के राज्य स्तरीय बैंकर समिति का संयोजक है.

2.600 लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को अग्रिमः

2.601 लघु एवं मध्यम स्तर के उद्यम क्षेत्र को भारत सरकार द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के मुख्य आधार के रूप में प्रतिपादित किया जा रहा है तथा इसी के मद्देनजर बैंक ने इसके लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कई कदम उठाए है. बैंक ने अपनी कार्यनीति के रूप में लघु तथा मध्यम स्तर के उद्यमों के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विविध कदम उठाए हैं, जिनमें कुछ उपाय निम्नलिखित है :

- 40 विशेषीकृत शाखाओं को लघु एवं मध्यम उद्यम/लघु उद्योग शाखा के रूप में नामित किया गया है तथा लघु एवं मध्यम उद्यमों को ऋण उपलब्धि को सरल एवं कारगर बनाने के लिए शाखा स्तर पर ऋण स्वीकृति हेतु और अधिक शक्तियां प्रदान की गई है.
- उपर्युक्त ग्राहकों की आवश्यकताओं की पहचान तथा आकलन करने तथा उनकी पूर्ति करने के लिए एस.एम.ई.आर.ए. तथा सिडबी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए है.
- लघु व मध्यम उद्यम क्षेत्र के संभावित ग्राहकों की साख आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण नीति बनाई गई है.
- बैंक के सम्माननीय ग्राहकों के निश्चित समूह को वित्त प्रदान करने के लिए एस.एम.ई. गोल्ड कार्ड योजना प्रस्तुत की जाएगी.
- लघु तथा मध्यम उद्यमियों में जागृति लाने के उद्देश्य से बैंक ने अपनी वेबसाईट पर लघु उद्योगों से संबंधित चार्टर भी उपलब्ध कराया है.
- बैंक ने 'चैनल वित्तपोषण' तथा 'चावल एवं दाल मिल योजना' नामक अपने दो उत्पाद भी आरंभ किए हैं.
- इस क्षेत्र का महत्व समझाने के लिए शाखा प्रबंधकों हेतु कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया है.
- इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप लघु तथा मध्यम उद्यम क्षेत्र एवं इसके अग्रिमों में प्रभावी वृद्धि दर्ज हुई है. इस क्षेत्र के अग्रिम जो 31-03-2005 को रु. 1760 करोड़ थे, वह 31-03-2006 को (व्यापार तथा सेवाओं को अग्रिम सहित) बढ़कर रु. 2388 करोड़ तक पहुँच गए.

districts, of which 7 districts are in Gujarat state, 5 districts in Chhattishgarh state and one in Union Territory of Dadra & Nagar Haveli. Dena Bank is also the Convenor of State Level Bankers' Committee for the State of Gujarat and Union Territory of Dadra & Nagar Haveli in view of its larger presence in these areas.

2.600 Advances to SME Sector:

2.601 The SME sector is being recognized as key drivers of growth of Indian economy by GOI and in view of this directive, the Bank has taken a number of initiatives to achieve the targets set for it. As a part of the strategy the Bank has taken several steps to achieve the desired growth in SME sector by undertaking the following measures.

- 40 specialised branches are designated as SME/ SSI branch with additional sanctioning powers delegated to the branch functionaries to streamline growth of credit in the SME sector in a focused manner.
- MOU has been signed with SIDBI and SMERA to identify and assess the viability of suitable clients for extending credit.
- Loan policy for SME sector has been formulated to cater to the credit needs of the prospective clients.
- SME gold card scheme is to be introduced to extend finance to specific group of valued clients of the Bank.
- The Bank has hosted an SSI charter on its website for creating awareness among SME entrepreneurs.
- The Bank introduced two new products 'Channel Financing' and 'Rice and Dal Mill scheme'.
- Workshops are conducted to apprise the branch managers about the importance of this sector.
- All these initiatives have resulted in the growth of the SME sector and the SME advances rached to Rs2388 Crores (including advances to trade and services) as on 31.03.06, increased from Rs.1760 Crores as on 31/3/2005.

2.700 निगमित साख :

2.701 निगमित तथा औद्योगिक उधारकर्ताओं पर ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से बैंक ने 40 निगमित तथा संस्थागत शाखाओं की पहचान की है तथा इनमें विशेषीकृत जनशक्ति तथा बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं.

2.702 पहचान की गई निगमित और संस्थागत शाखाओं से प्राप्त बड़े ऋण प्रस्तावों के द्वि-स्तरीय संरचना शीघ्र निर्णय लेने के लिए प्रस्तुत किए गए.

2.703 बैंक के उधारकर्ताओं के खातों की समय पर पुनर्संरचना करने के लिए प्रधान कार्यालय में निगमित ऋण पुर्नसंरचना कक्ष की स्थापना की गई है.

2.700 Corporate Credit:

2.701 For focused attention towards corporate & Institutional borrowers, Bank has identified 40 Corporate & Institutional (C& I) Branches , Where specialized manpower & infrastructural facilities have been provided .

2.702 Two-tier structure of large credit proposals from the identified C&I Branches were put in place for expeditious decision making.

2.703 Corporate Debt Restructuring (CDR) Cell has been formed at HO to address timely restructuring of the borrowal accounts of the Bank.

2.704 साख निगरानी कक्ष, प्रधान कार्यालय द्वारा प्रत्येक स्तर के साख अधिकारियों को यह ध्यानपूर्वक बताया गया है कि उच्च जोखिम खातों में चेतावनी के आरंभिक लक्षण देखते ही उनकी अलग पहचान, विश्लेषण तथा निगरानी करना सुनिश्चित करें.

3.000 निवेश संबंधी परिचालन

3.100 बैंक का सकल निवेश 31 मार्च 2005 के दिन रु. 9722 करोड़ से घटकर 31 मार्च 2006 को रु. 8635 करोड़ हो गया. इस प्रकार इनमें समीक्षाधीन अवधि के दौरान 11.17% की कमी हुई. इसी प्रकार निवल निवेश भी 31 मार्च, 2005 के रु. 9697 करोड़ से घटकर 31 मार्च, 2006 को रु. 8571 करोड़ हो गया.

3.101 सभी दिशाओं में प्रतिभूतियों पर परिपक्वता हेतु प्रतिफल बढ़ने सहित बाजार के परिदृश्य में एक गोचर परिवर्तन हुआ है जिसने प्रतिभतियों के बाजार मूल्य में गिरावट ला दी. उपरोक्त परिदृश्य के बावजूद बैंक वित्तीय वर्ष 2004-05 के रु. 118 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रतिभूतियों की ब्रिकी से रु. 125 करोड़ का लाभ हासिल करने में सफल रहा.

3.102 प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों के कारण, निवेशों की बिक्री से प्राप्त लाभ सहित निवेश का औसत प्रतिफल 31 मार्च, 2005 के 9.46% की तुलना में 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष में कम होकर 9.04% रह गया.

4.000 आय और व्यय

4.100 **कुल आय**

4.101 बैंक की कुल आय वर्ष 2004-05 की तुलना में रु. 183 करोड़ अर्थात 8.97% बढ़कर रु. 2219 करोड़ हो गई जो पिछले वर्ष गिरावट की ओर देखी गई थी. बैंक की ब्याज आय 2.03% की मामूली वृद्धि के साथ बढ़कर रु. 1760 करोड़ रही जबकि अन्य आय 47.50% की वृद्धि के साथ रु. 458.99 करोड़ रही. अन्य आय रु. 311.18 करोड़ से बढ़कर रु. 458.99 करोड़ हो गई.

4.102 बाजार परिस्थितियों के कारण निवेशों से प्राप्त आय में 11.95% की गिरावट के बावजूद बैंक की ब्याज आय में वृद्धि दर्ज की गई. फिर भी, निगमित क्षेत्र की ओर से मूल उधार दर पर ऋण प्रदान करने हेतु दबाव के बावजूद, अग्रिमों से प्राप्त आय में 15.00% की वृद्धि हुई. बैंक द्वारा उच्च आय वाले ऋणों यथा लघु तथा मध्यम उद्यम एवं रिटेल आदि पर ध्यान केन्द्रित करने वाली रणनीति अपनाए जाने के कारण ही यह संभव हो सका.

4.200 **कुल व्यय :**

4.201 पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2005-06 के दौरान कुल व्ययों में 3.35% की कमी आई. इसका मुख्य कारण परिचालनगत व्यय में कमी रही जो वर्ष 2004-05 के रु. 615.60 करोड़ के स्तर से घटकर वर्ष 2005-06 के दौरान रु. 561.34 करोड़ हो गया. बैंक द्वारा वर्ष के दौरान घरेलू जमा राशियों पर ब्याज दर में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद देयताओं पर व्यय किए गए ब्याज की राशि कमोबेश स्थिर रही. कम लागत वाली जमाराशियों की वृद्धि ने ब्याज व्यय को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

4.300 **लाभ विश्लेषण :**

4.301 वर्ष 2005-06 के दौरान बैंक की निवल ब्याजगत आय रु. 686.60 करोड़ से बढ़कर रु. 722.67 करोड़ हो गई अर्थात इसमें 5.25% की वृद्धि हुई. यह अग्रिमों से उच्चतर ब्याज आय तथा ब्याज व्यय में कमी के कारण संभव हो सका.

2.704 Credit Monitoring Cell, HO has sensitized the credit officials at every level for ensuring identification , analysis, monitoring process of high-risk account with early warning signals.

3.000 INVESTMENT OPERATIONS

3.100 The Gross Investments of the Bank decreased from Rs.9,722 crore as at March 31, 2005 to Rs.8635 crore as at March 31, 2006, thereby registering a decline of 11.17%. Similarly, Net Investments have also declined from Rs. 9,697 crore as at March 31, 2005. to Rs.8571 crore as at March 31, 2006.

3.101 The market continued to be volatile with rise in YTM of securities across all tenors, leading to a fall in market prices of securities. Despite the adverse scenario, the Bank was able to book profit of Rs 125 crore on sale of securities during the financial year 2005-06 as against Rs 118 crore during the financial year 2004-05.

3.102 The Average Yield on Investments, including profit on sale of Investments was lower at 9.04% for the year ended March 31, 2006, as against 9.46% for the year ended March 31, 2005 due to adverse market conditions.

4.000 INCOME & EXPENSES:

4.100 **Total Income**:

4.101 The total income of the Bank for the year, at Rs.2219 crore, has increased by 8.97% or Rs 183 crore over 2004-05, thus reversing the decline that the Bank had experienced in the previous year. The interest income of the Bank marginally increased by 2.03% to record a level of Rs 1760 crores while other income rose by 47.50% to Rs 458.99 crore. Other income had increased from Rs 311.18 crore to Rs 458.99 crore.

4.102 The growth in interest income of the Bank was achieved despite lower income from investments which declined by 11.95% on account of market conditions. However, the income from advances rose by 15.00% despite the pressure for lending at sub-PLR rates from Corporate sector. This was made possible by the strategies adopted by the Bank in concentrating on high yielding credit like SME, Retail etc.

4.200 **Total Expenses:**

4.201 During 2004-2005, total expenses were less by 3.35% over the previous year. This was mainly on account of reduction in operating expenses from Rs 615.60 crore in 2004-05 to Rs 561.34 crore in 2005-06. Interest paid on liabilities was more or less stagnant despite the increase in interest rates on domestic deposits effected by the Bank during the year. The increase in share of low cost deposits was instrumental in containing interest expenses.

4.300 **Profit Analysis:**

4.301 During the year 2005-2006, the Bank's net interest income increased from Rs.686.60 crore to Rs. 722.67 crore i.e. by 5.25% This was made possible due to higher interest earnings from advances and containment of interest expenses.

4.302 तथापि, निवेशों की बिक्री से प्राप्त आय परिसरों की बिक्री से प्राप्त लाभ, बट्टे खातों में वसूलियों आदि में मामूली वृद्धि तथा परिचालनगत व्यय में कमी के कारण बैंक का व्यय भार 2004-2005 के रु. (-) 304.38 करोड़ से कम होकर वर्ष के दौरान रु. (-) 102.35 करोड़ रहा.

4.303 वर्ष के दौरान बैंक ने बट्टे खाते में डाली गई आस्तियों में वसूली की आय के एक बड़े स्त्रोत के रूप में पहचान की तथा इस दिशा में अपने प्रयास और तेज किए. इसके परिणामस्वरूप बैंक ने वर्ष 2004-05 के दौरान रु. 26.89 करोड़ की आय की तुलना में 188% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 77.38 करोड़ की आय अर्जित की.

4.400 परिचालनगत लाभ :

वर्ष 2005-06 के दौरान परिचालनगत लाभ ने पिछले वर्ष के रु. 238.10 करोड़ अथवा 62.31% की वृद्धि दर्ज की है. जिसका मुख्य कारण निवल ब्याज आय का बढ़ना एवं परिचालनगत व्यय का घटना रहा और समग्र रुपसे कोरोबार के मूल्य में वृद्धि. पिछले वर्ष के रु. 382.18 करोड़ की तुलना में परिचालनगत लाभ बढ़कर रु. 620.32 करोड़ हो गया. अधिक स्थिर आस्तियों की विक्री के साथ साथ परिचालनगत लाभमें सुधार लाने पर बटस बट्टे खाते डाले गए अग्रिमो विनिधानों के एवं लाभो में उच्चतर वसुलीयां.

4.500 **निवल लाभ :**

गैर निष्पादक आस्तियों, निवेशों पर मूल्यह्रास आदि के लिए कुल रु. 547.33 करोड़ (पिछले वर्ष 321.18 करोड़) का प्रावधान करने के उपरांत बैंक ने 2004-05 के रु. 61 करोड़ की तुलना में रु. 72.99 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया. वर्ष के दौरान निवल लाभ में 19.66% की वृद्धि, प्रावधानों में 70.41% की वृद्धि के बावजूद हासिल की गई.

4.501 वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक की आय, व्यय तथा प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं की तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गई है.

(रु. करोड़ में)

विवरण	**2004-05**	**2005-06**
ब्याजगत आय	1725.18	1760.13
गैर ब्याजगत आय	311.18	458.99
कुल आय	2036.36	2219.12
व्यय किया गया ब्याज	1038.58	1037.46
परिचालनगत व्यय	615.56	561.34
कुल व्यय	1654.14	1598.80
परिचालनगत लाभ	382.22	620.32
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	321.18	547.33
निवल लाभ	61.00	72.99

5.000 पूंजी पर्याप्तता :

5.100 वर्ष के दौरान विकास :

5.101 वर्ष के दौरान विनियामक दिशानिर्देशों में यह अनुमति दी गई है कि बैंक अपनी प्रथम स्तरीय पूंजी में शामिल करने के लिए अपनी विनिधान घट बढ़ आरक्षितियों को आरक्षितियों में अन्तरित कर सके, बशर्ते कि वे बाजार जोखिम के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों के, अनुरूप पूंजी का विभाजन सुनिश्चित करें. तद्नुसार बैंक ने अपनी विनिधान घट-बढ़ आरक्षितियों में से रु. 42.70 करोड़ राजस्व आरक्षितियों में अंतरित कर दिए हैं.

4.302 However, on account of marginally higher level of profit on sale of investments, profit from sale of premises, recoveries in written-off accounts etc, and lower operating expenses, the burden on the Bank declined from (-) Rs.304.38 crore in 2004-2005 to (-) Rs.102.35 crore during the year.

4.303 During the year, the Bank had identified recoveries in written off assets as a major income source and intensified its efforts on this front. The Bank as a result could earn an income of Rs.77.38 crore, an increase of over 188% over Rs.26.89 crore during 2004-2005.

4.400 Operating Profit:

The operating profit for the year 2005-2006 has recorded an increase of 62.31% over the previous year or Rs. 238.10 crores mainly on account of increase in Net Interest Income, decline in operating expenses and overall increased volume of Business . The Operating profit for the year was Rs 620.32 crore in comparison to Rs 382.18 crore during 2004-05. Higher recoveries inwritten off advances / investments and profit on sale of surplus fixed assests also helped to improve operating profit.

4.500 **Net Profit:**

After making a total provision of Rs.547.33 crores for NPAs, Depretiation on Investment, etc. (Rs 321.18 crore during previous year), the Bank posted a net profit of Rs 72.99 crore for the year 2005-06 against Rs 61 crore for 2004-05. The increase in Net Profit of 19.66% was achieved despite an increase by 70.41% in provisions made during the year.

4.501 A comparison of income, expenses and provisions and contingencies of the Bank during 2005-2006 and 2004-2005 is given hereunder:

(Rupees in crore)

Particulars	2004-2005	2005-2006
Interest Income	1725.18	1760.13
Non Interest Income	311.18	458.99
Total Income	2036.36	2219.12
Interest Expended	1038.58	1037.46
Operating Expenses	615.56	561.34
Total Expenses	1654.14	1598.80
Operating Profit	382.22	620.32
Provisions & Contingencies	321.18	547.33
Net Profit	61.00	72.99

5.000 CAPITAL ADEQUACY:

5.100 Developments during the Year:

5.101 During the year, regulatory guidelines have permitted Banks to transfer their Investment Fluctuation Reserve to reserve that qualifies for Tier-I Capital subject to the condition that the Banks conform to capital allocation guidelines for market risk. Accordingly, the Bank has transferred Rs 42.70 crore from Investment Fluctuation Reserve to Revenue Reserve.

वर्ष 2005-2006 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2005-2006

5.200 वर्ष 2005-06 के लिए सी आर ए आर

5.201 वर्ष के दौरान लाभ तथा विनिधान घट-बढ़ आरक्षितियों के राजस्व आरिक्षितियों में अंतरण के द्वारा पूंजी निधियों में हुई अभिवृद्धि से बैंक की पात्र प्रथम स्तरीय पूंजी बढ़कर 31-03-2006 को रु. 848.23 करोड़ हो गई जो 31-03-2005 को 727.11 करोड़ थी. द्विस्तरीय पात्र पूंजी 31 मार्च, 2005 की रु. 578.67 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2006 को बढ़कर रु. 662.97 करोड़ हो गई जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अचल संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन भी शामिल है.

5.202 पूंजी निधियों में वृद्धि होने के बावजूद, व्यवसाय के विस्तार के कारण बैंक जोखिम धारित आस्तियों में भी वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सी आर ए आर) जो 31 मार्च, 2005 को 11.91% था वह तुलनात्मक दृष्टि से घटकर 31 मार्च 2006 को 10.62% हो गया. इसी अवधि के दौरान कोर सी आर ए आर भी 6.63% से घटकर 5.96% हो गया.

5.203 इस प्रकार, सी आर ए आर न केवल निर्धारित न्यूनतम विनियामक 9% से उपर है बल्कि वर्ष 2006-2007 के दौरान बैंक के आस्ति आधार को और बढ़ाने के लिए भी अवसर प्रदान करता है.

6.000 लाभांश

6.100 बैंक के वित्तीय/पूंजी आधार को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विशेष रूप से मार्च 2007 तक बासेल-।। की आवश्यकताओं के अनुपालनार्थ निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2006 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए किसी भी प्रकार के लाभांश की घोषणा न करने का निर्णय लिया है तथा समस्त लाभ को वापस कारोबार में लगा दिया है.

7.000 शाखा नेटवर्क

7.100 वर्ष 2005-06 के दौरान एक शाखा (महानगरीयक्षेत्र) का समीप की शाखा में विलय किया गया है. हांनि उठानेवाली 13 ग्रामीण शाखाओं को अनुषंगी कार्यालयों में रुपांतरित कर दिया गया है. बैंक ने हैदराबाद में एक विस्तार पटल भी खोला है.

7.101 31 मार्च 2006 को बैंक की शाखाओं का क्षेत्रवार विवरण इस प्रकार है.

क्षेत्र	शाखाओं की संख्या	कुल का प्रतिशत
ग्रामीण	491 *	43.76%
अर्ध शहरी	191	17.02%
शहरी	236	21.03%
महानगरीय	204	18.18%
कुल	1122	100.00%

* इनमें 98 अनुषंगी कार्यालय भी शामिल हैं.

8.000 आस्ति गुणवत्ता और वसूली प्रबंधन :

8.100 गैर निष्पादक आस्तियों (एनपीए) में कमी के अतिरिक्त आस्ति गुणवत्ता में सुधार लाने के अपने प्रयासों को बैंक ने जोर शोर से जारी रखा है. बैंक ने एक ओर एनपीए के स्तर को कम करने के लिए तथा साथ ही दूसरी ओर नए एनपीए न होने देने के लिए भी प्रोत्साहन आरंभ किए है. एकमुश्त समझौता योजना के तहत अपने बकाया ऋणों के भुगतान/समझौते के लिए चूककर्ताओं के साथ आक्रामक कार्रवाई की गई. एनपीए खातों को नियमित

5.200 CRAR for 2005-06:

5.201 With the accretion to the capital funds during the year through plough back of profit and transfer of Investment Fluctuation Reserves to Revenue Reserves, the Bank's eligible Tier I capital funds increased to Rs.848.23 crore as at 31st March 2006 from Rs.727.11 crore as at 31st March 2005. The eligible Tier II capital increased from Rs.578.67 crore as at 31st March 2005 to Rs.662.97 crore as at 31st March 2006, which include revaluation of fixed assets done, as per RBI guidelines.

5.202 Despite the increase in capital funds, the growth in risk weighted assets of the Bank due to business expansion resulted in the Capital Adequacy Ratio (CRAR) of the Bank being lower at 10.62% as at 31st March 2006 in comparison to 11.91% as at 31st March 2005. The core CRAR declined from 6.63% to 5.96% during the same period.

5.203 Thus the CRAR of the Bank is not only above the minimum regulatory prescription of 9% but also provides scope for increasing the asset base of the Bank during 2006-2007.

6.000 DIVIDEND

6.100 In view of need to further strengthen financials / capital base of the Bank, particularly in view of the requirements for Basel II compliance by March 2007, the Board of Directors have decided not to declare any dividend for the financial year ended March 31, 2006 and plough back entire profit.

7.000 BRANCH NETWORK:

7.100 During the year 2005-06, a branch (Metro Sector) was merged with a nearby branch. 13 loss making rural branches were converted into Satellite Offices. The Bank also opened one Extension counter at Hyderabad.

7.101 The Sector -wise breakup of branch network of the Bank as on 31st March 2006 is as under :

Sector	No of branches	Percent to Total
Rural	491*	43.76%
Semi Urban	191	17.02%
Urban	236	21.03%
Metro	204	18.18%
Total	1122	100.00%

* include 98 Satellite Offices

8.000 ASSET QUALITY & RECOVERY MANAGEMENT:

8.100 The Bank continued its vigorous efforts for improvement in asset qualities with distinct reduction in non-performing assets (NPAs). The Bank has put in place couple of initiatives to arrest fresh slippages on one hand and to reduce level of NPA on other hand. Aggressive actions were taken with defaulters for settlement/payment of their dues under Bank's One Time Compromise settlement scheme. Contacts with individual borrowers were made

करने या उनमें वसूली करने के लिए उधारकर्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क भी किए गए.

8.101 सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में एनपीए वसूली कक्ष की स्थापना कर दी गई है. समितियों की बैठक साप्ताहिक आधार पर होती है तथा उनमें संभावित खातों की पहचान करने तथा उनसे समझौता करने/बातचीत द्वारा निपटान करने संबंधी कार्रवाई की जाती है.

8.102 सकल गैर निष्पादक आस्तियों में 31 मार्च,2005 के रु. 1147.54 करोड़ के स्तर की तुलना में 31 मार्च, 2006 को रु. 949.40 करोड़ के स्तर तक कमी आई है. निवल एनपीए के 31 मार्च 2005 के स्तर में रु. 591.00 करोड़ में से 31 मार्च 2006 को रु. 432.85 करोड़ तक कमी आई है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बैंक के सकल एनपीए में 6.44% तथा निवल एनपीए में 3.04% की कमी आई है.

8.103 सकल एनपीए में कमी मुख्य रुप से बैंक द्वारा गैर निष्पादक आस्ति खातों में नकद वसूली (बट्टे खातों में रु. 77.38 करोड़ की वसूली सहित) पर ध्यान केन्द्रित करने से आई. वर्ष 2005-06 के दौरान रु. 304.46 करोड़ की नकद वसूलियां की गईं जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान कुल वसूलियां रु. 252.71 करोड थीं. बट्टे खातों में पिछले वर्ष की कुल नकद वसूली रु. 26.89 करोड़ थी जो इस वर्ष बढ़कर रु. 77.38 करोड़ हो गई.

8.104 पिछले वित्तीय वर्ष के रु. 275.57 करोड़ के प्रावधानों की तुलना में बैंक ने वित्तीय वर्ष 2005-06 के दौरान रु. 236.91 करोड़ की राशि का एनपीए के लिए प्रावधान किया है. दि. 31 मार्च 2006 को एनपीए के लिए कुल प्रावधानों की राशि रु. 499.46 करोड़ है. एनपीए कवरेज अनुपात जो दि. 31 मार्च 2005 को 46.72% था वह दि. 31 मार्च 2006 को बढ़कर 52.61% हो गया.

8.105 सकल और निवल गैर निष्पादक आस्तियों की तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है :

(रु. करोड़ में)

	मार्च 2004	मार्च 2005	मार्च 2006
सकल अग्रिम	10011.45	11865.13	14747.79
सकल गैर निष्पादक आस्तियां	1484.01	1147.54	949.40
सकल अग्रिमों में सकल गैर निष्पादक आस्तियां	14.82%	9.67%	6.44%
निवल अग्रिम	9411.79	11308.59	14231.24
निवल गैर निष्पादक आस्तियां	884.35	591.00	432.85
निवल अग्रिमों में निवल गैर निष्पादक अस्तियां	9.40%	5.23%	3.04%
प्रावधान कवर	39.05%	46.72%	52.61%

8.200 रु. 2.00 लाख तक की सीमा वाले छोटे खातों के लिए विशेष एकमुश्त समझौता योजना

8.201 31-03-2005 की स्थिति के अनुसार गैर निष्पादक आस्तियों के खातों की संख्या के हिसाब से 95% खाते रु. 2.00 लाख तक की बकाया राशियों वाले हैं. शाखाओं के वसूली प्रयासों को और मजबूत बनाने तथा जिन छोटे उधारकर्ताओं के पास सीमित आर्थिक गतिविधियां हैं, उन्हें सहायता का हाथ बढ़ाने के उद्देश्य

in person for recovery /regularisation of their NPA accounts.

8.101 NPA Recovery Cells have been constituted at all the Regional Offices. The committees meet on weekly basis, to identify and pursue the potential accounts for compromise / negotiated settlements.

8.102 The level of Gross NPAs were reduced to Rs.949.40 crores as on 31st March 2006 from Rs.1147.54 crores as on 31st March 2005. Further, the level of Net NPAs had declined to Rs.432.85 crores as of 31st March 2006 as compared to Rs.591.00 crores as of 31st March 2005. Thus, the Bank slashed its Gross NPAs to 6.44 % and Net NPAs to 3.04 % during the year under review.

8.103 The reduction in Gross NPAs was facilitiated by the Bank's focus on cash recoveries (including recovery of Rs 77.38 crore in written off accounts) of impaired accounts. During the year 2005-06, total cash recoveries were effected to the extent of Rs.304.46 crores while in the corresponding year total recoveries were made to the tune of Rs.252.71 crores. Further, there was cash recoveries in written off NPAs of Rs.77.38 crores increased from Rs.26.89 crores in previous year.

8.104 The Bank has made provisions for NPAs amounting to Rs.236.91 crores during financial year 2005-06 in comparison to Rs.275.57 crores during previous financial year. The total provisions for NPAs stood at Rs.499.46 crores as on 31st March, 2006. The NPA coverage ratio which was at 46.72 % as on 31st March,2005 has improved to 52.61 % as on 31st March 2006.

8.105 The comparative position of Gross and Net NPAs is given below.

(Rs. in crores)

	March 2004	March 2005	March 2006
Gross Advances	10011.45	11865.13	14747.79
Gross NPAs	1484.01	1147.54	949.40
Gross NPA to Gross Advances	14.82%	9.67%	6.44 %
Net Advances	9411.79	11308.59	14231.24
Net NPAs	884.35	591.00	432.85
Net NPA to Net Advances	9.40%	5.23%	3.04 %
Provision Cover	39.05%	46.72 %	52.61 %

8.200 Special One Time Settlement Scheme for small accounts upto Rs. 2 Lacs.

8.201 In terms of number of NPA accounts, 95% accounts pertain to less than Rs.2.00 lacs outstanding as on 31.03.2005. Bank formulated a Special One Time Settlement Scheme for Small Borrowers with an object to strengthen Recovery efforts of branches and extending

से बैंक ने एक विशेष एकमुश्त समझौता निपटान योजना बनाई है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस योजना के तहत बैंक ने 36737 खातों में रु. 35.89 करोड़ की राशि का समझौता निपटान करके उन्हें बंद किया है तथा रु. 5.33 करोड़ की बकाया राशियों वाले 1829 खातों को उच्च कोटि के स्तर में किया है.

8.202 रु. 2.00 लाख से अधिक गैर निष्पादक आस्तियों के खातों मे बैंक ने एक पारदर्शी तथा निर्धारित मानदंडों वाली एक मुश्त समझौता नीति अपनायी है जिसके परिणामस्वरूप रु. 195.31 करोड़ की राशि के 2270 खातों में समझौता किया है. इनमें रु. 94.29 करोड़ की वसूली भी की जा चुकी है.

8.203 प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी/आरसी) को गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों की बिक्री के माध्यम से वसूली

8.204 बैंक ने अपने कार्पोरेट कार्यालय में एक कक्ष की भी स्थापना की है जो गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों को प्रतिभूतिकरण/पुर्नसंरचना कंपनी को विक्रय पर उसका मूल्यांकन तथा निगरानी करता है ताकि सरफायसी अधिनियम 2002 के प्रावधानों का अधिकतम लाभ उठाया जा सके. वर्ष के दौरान बैंक ने गैर निष्पादक आस्तियों को प्रतिभूतिकरण/पुर्नसंरचना कंपनी को विक्रय द्वारा रु. 61.47 करोड़ की राशियों के खातों का निपटान किया है।

8.205 विशेषीकृत आस्ति वसूली शाखाओं द्वारा वसूली

8.206 वित्तीय वर्ष 2005-06 के दौरान बैंक ने अपनी वर्तमान 5 आस्ति वसूली शाखाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उनमें अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया है तथा इनके कामकाज की निगरानी करने के लिए कार्पोरेट कार्यालय में एक अलग कक्ष भी स्थापित किया है। इन शाखाओं ने बैंक की लाभप्रदता में महत्त्वपूर्ण तथा सकारात्मक योगदान दिया है।

8.207 प्रतिभूतिकरण अधिनियम के माध्यम से वसूली

8.208 गैर निष्पादक आस्ति खातों में वसूली के लिए की गई सख्त कार्रवाई के रूप में पात्र खातों की पहचान की गई थी जिसपर सरफायसी के तहत कार्रवाई की जा सकती है. तदनुसार, बैंक ने रुपये 690.15 करोड़ की राशि वाले सभी पात्र खातों को 1483 नोटिस जारी की. नोटिस जारी करने के पश्चात् बैंक ने वर्ष के दौरान 420 खातों को अपने अधिकार में ले लिया है. अधिनियम के निवारक प्रावधान और बैंक द्वारा निर्मित दबाव की दृष्टि से 712 खातों में रुपये 121.96 करोड़ की रकम की वसूली की गई.

8.209 लोक अदालतों के माध्यम से वसूली

8.210 बैंक ने लोक अदालतों के माध्यम से विवादों के शीघ्र समाधान और अपने चूककर्ताओं से वसूली करने पर जोर दिया है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान रु. 7.21 करोड़ वाले 3741 मामलों को भेजा गया. इनमें से रु. 2.18 करोड़ की राशि वाले 1212 मामलों का निपटान किया गया. वर्ष के दौरान रु. 3.50 करोड़ की वसूली हुई जिनमें पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों में से वसूल की गई रुपये 3.20 करोड़ की राशि भी शामिल है.

8.211 औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड के मामले (बीआईएफआर)

8.212 रूग्ण और संभाव्य रुग्ण कंपनियों का समय से पता लगाने तथा बीआईएफआर द्वारा इस प्रकार की कंपनी के लिए निवारक,

the helping hand to small borrowers who have small means of economic activity. Bank settled /closed 36737 accounts with outstanding of Rs. 35.89 crores and upgraded 1829 accounts of Rs 5.33 crores under this scheme during the year under review.

8.202 Bank has adopted a transparent and parameterised One Time Settlement policy for NPA accounts above Rs. 2.00 lacs which has resulted into settlement of 2270 accounts with amount settled at Rs 195 . 31 crore. Of this, Rs 94.29 crore has already been recovered.

8.203 Recoveries through sale of Non Performing Finacial Assets to Securitisation Company (SC/RC)

8.204 Bank has set up a separate cell at its Corporate office to monitor and evaluate the sale of Non Performing Finacial Asset to Securitisation / Reconstruction Company to take maximum advantages under the provision of SARFAESI Act, 2002. Bank has settled accounts for Rs.61.47 crores during the year through the year through sale of impaired assets to Securitisation / Reconstruction company.

8.205 Recoverires through specialised Asset Recovery Branches.

8.206 The Bank had strengthened the existing 5 Asset Recovery Branches by posting additional staff and established a separate Cell at its Corporate Office to monitor the working of these Asset Recovery Branches during the F.Y. 2005-06 These Branches made significant & positive impact on the profitability of the Bank.

8.207 Recovery through Securitisation Act:

8.208 As a rigorous follow up for recovery in NPA Accounts, eligible accounts were identified in which action under SARFAESI could be initiated. Accordingly, the Bank has issued 1483 Notices in all the eligible accounts involving an amount of Rs.690.15 Crores. After issuing notices, bank has taken possession in 420 accounts during the year. In view of the deterrent provisions of the Act and the pressure mounted by the Bank, an amount of Rs.121.96 Crores has been recovered in 712 accounts.

8.209 Recovery through Lok Adalats:

8.210 The Bank laid emphasis on early resolution of disputes and recoveries from its defaulters through Lok Adalats. During the year under review, the Bank has referred 3741 cases involving Rs.7.21 Crores. Of these, settlement was reached in 1212 cases involving an amount of Rs.2.18 Crores. There is a recovery of Rs.3.50 Crores during the yearwhich includes Rs.3.20 Crores recovered in cases settled during the previous year.

8.211 BIFR Cases:

8.212 The Government of India passed a Sick Industrial Companies Act (Special Provisions Act) in 1985 in the Public interest with a view to securing timely detection of

सुधारात्मक, उपचारात्मक एवं अन्य उपायों का त्वरित निर्धारण करते हुए उन उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता की दृष्टि से भारत सरकार ने 1985 में लोकहित में एक रूग्ण और औद्योगिक कंपनी अधिनियम (विशेष प्रावधान अधिनियम) पारित किया है. औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड का स्वरूप अर्द्ध न्यायिक प्रकार का है और औद्योगिक रूग्णता के लिए परम निर्णायक के रूप में कार्य करने हेतु उसे व्यापक क्षेत्र में उच्चाधिकार प्राप्त है. बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सहमति से औद्योगिक और पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा स्वीकृत पुर्नवास योजना सभी संबंधितों पर बाध्यकारी है.

Sick and potentially sick companies, the speedy determination by BIFR of the preventive, ameliorative, remedial and other measures which need to be taken with respect to such company and the expeditious enforcement of the measures. The BIFR is quasi-judicial in the nature and having wide ranging and over-riding powers to function as the Supreme Arbitrator of the industrial sickness. The scheme of rehabilitation sanctioned by the BIFR with the consent of Banks and financial institutions is binding on all concerned.

8.213 निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित वसूली नीति के अनुसार औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड के मामलों के समन्वय हेतु नई दिल्ली केन्द्र में एक नोडल अधिकारी को विर्निर्दिष्ट किया गया है। प्रधान कार्यालय स्थित बीआईएफआर कक्ष सभी बीआईएफआर मामलों की निगरानी रखता है और प्रत्येक बीआईएफआर मामलों के संबंध में बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में नोडल अधिकारी को सलाह देता है. दि. 31-3-2006 तक 92 कंपनियों ने बीआईएफआर/एएआईएफआर अपने मामले दायर किए हैं. इस संबंध में बीआईएफआर ने 7 मामलों को बर्खास्त कर दिया और इन मामलों को बंद करने के लिए संबंधित उच्च न्यायालय को अपनी राय भी अग्रेषित कर दी है. हमारे बैंक ने रु. 56.75 करोड़ की राशि वाले 27 मामलों के एकमुश्त समझौता को अनुमोदित कर दिया है. हमारे बैंक ने रु.150.51 करोड़ के बही खाता बकाये वाले 13 बीआईएफआर मामलों की प्रतिभूत आस्तियों की बिक्री के लिए सरफायसी के तहत नोटिस भी जारी किया है. सरफायसी अधिनियम के तहत नोटिस जारी करने से लाभप्रद प्रभाव पड़ा था और इसके परिणामस्वरूप हमने रु.30.73 करोड़ की राशि की वसूली की.

8.213 In terms of the recovery policy approved by the Board, a Nodal Officer is identified in New Delhi center for co-ordinating the BIFR cases. A BIFR cell at Head Office also monitors all BIFR cases and advises the Nodal Officer about the bank's stand to be taken in respect of each BIFR case. As on 31.03.2006 there are 92 Companies who have filed their references with BIFR/ AAIFR. The BIFR has dismissed 7 cases and forwarded their opinion to winding up to the concerned High Court. Our Bank has approved OTS in 27 cases involving a sum of Rs.56.75 Crores. Our Bank has also issued notice under SARFAESI for sale of secured assets in 13 BIFR cases involving Ledger Outstanding of Rs.150.51 Crores. The issuance of Notices under SARFAESI Act had a salutary impact and we recovered a sum of Rs.30.73 Crores.

9.000 अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग :

9.000 INTERNATIONAL BANKING:

9.100 मुंबई की समेकित राजकोष शाखा -'ए' श्रेणी की प्राधिकृत व्यापारी शाखा होने के कारण वर्ष के दौरान बैंक के विदेशी और घरेलू राजकोष परिचालन को इसी शाखा में समेकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, विदेशी परिचालन पूरे देश में 37 प्राधिकृत शाखाओं (बी श्रेणी) द्वारा किए जाते है जिनमें समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्राधिकृत व्यापारी शाखा की सूची में जोड़ी गई एक शाखा भी है.

9.100 The Bank's Forex and domestic treasury operations were integrated during the year, with the Integrated Treasury Branch at Mumbai being a A category authorized dealer branch. Additionally, forex operations were undertaken by 37 authorised branches (B category) across the country, including one branch added to list of authorized dealer branches during the year under review.

9.101 कुल व्यापारी विदेशी मुद्रा कारोबार पण्यावर्त 2004-05 को रु.11097 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2005-06 के दौरान रु.13111 करोड़ हो गया अर्थात समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 18.15% की वृद्धि हुई. बैंक का निर्यात ऋण रु.1028 करोड़ के स्तर तक पहुँच गया.

9.101 The total Merchant Foreign Exchange Business turnover increased from Rs.11097 crore during 2004-05 to Rs.13111 crore during 2005-06, i.e a growth of 18.15% during the year under review. The Export Credit of the Bank stood at a level of Rs 1028 crore.

9.102 विदेशी विनिमय कारोबार (विनिमय, कमीशन तथा निवेश पर ब्याज) की सकल आय 24.29% की वृद्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान रु.73 करोड़ (पुनर्समूहित आँकड़े) से बढ़कर 2005-06 के दौरान रु.87 करोड़ हो गए.

9.102 The aggregate income on forex business (Exchange, Commission and Interest on Investment) increased by 24.29% to Rs.87 crore during 2005-06, from Rs.73 crore (figures regrouped) during the financial year 2004-05.

9.103 निवासियों को विदेशी मुद्रा-ऋण की मांग पूरा करने और ग्राहकों से विदेशी मुद्रा निर्यात ऋण की मांग पूरा करने के लिए, और विदेशी मुद्रा संसाधन का संग्रहण किया गया. इस प्रकार कुल पोर्टफोलियो 31 मार्च 2006 को यू.एस.डालर 90 मिलीयन तक बढ़ गया है.

9.103 To meet the demand of Foreign Currency loans by the Residents and to meet the demand for foreign currency export credit from customers, foreign currency resources have been mobilized further. Thus the total portfolio has grown up to US $ 90 million as at 31st March 2006.

9.104 बैंक का शेष निर्यात-ऋण पिछले वर्ष की समाप्ति पर रु. 1074.44 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2006 को रु. 1028.28 करोड़ हो गया.

9.105 अनिवासी भारतीय जमाराशि : बैंक की अनिवासी भारतीय जमाराशियां 15.88% की वृद्धि दर्ज करते हुए पिछले वर्ष की समाप्ति पर रु.921.19 करोड़ के स्तर की तुलना में 31 मार्च, 2006 को रु.1067.52 करोड़ हो गयी. अनिवासी भारतीय जमाराशि के संग्रहण पर फोकस तेज करने की दृष्टि से बैंक ने विभिन्न केन्द्रों पर अनिवासी भारतीय बैठकों के आयोजन किया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 11 अनिवासी भारतीय कक्ष खोले गए है.

9.106 आवक प्रेषण : बैंक ने यू.एस.ए., यू.के. एवं यूरोलैण्ड आधारित अनिवासी भारतीय को सुरक्षित, संरक्षित तीव्रतर और लागत प्रभावित आवक प्रेषण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए देना इंडियारेमिट ब्रांड के तहत एक वेब समर्थित धन प्रेषण सुविधा प्रदान की है. बैंक ने विदेश से प्रेषण के कुछ ही क्षणों के भीतर राशि के संग्रहण में हिताधिकारियों को सुविधा प्रदान करने हेतु रकम अन्तरण सेवा योजना के तहत आवक प्रेषण के लिए अपने एजेन्ट मेसर्स एएफएल प्राईवेट लि. के माध्यम से वेस्टर्न यूनियन फाइनेंशियल सर्विस, यू.एस.ए. के साथ व्यवस्था किया है.

10.000बैंक बीमा

10.100बीमा उत्पादों का वितरण

10.101 बैंक ने अपनी शाखाओं के माध्यम से अपने जीवन बीमा उत्पादों के वितरण के लिए जीवन बीमा निगम के साथ कारोबारी गठजोड़ किया है. बैंक ने सामान्य बीमा उत्पादों के वितरण के लिए ओरियंटल बीमा कंपनी लि. के साथ अपनी वर्तमान परामर्श व्यवस्था बनाये रखी है. इस गठजोड़ व्यवस्था के फलवरूप बैंक संपूर्ण बीमा उत्पादों की संपूर्ण शृंखला को ग्राहकों को भी प्रदान करने की स्थिति में है.

10.102 वर्ष 2005-06 के दौरान, दो बीमा संबद्ध बैंकिंग उत्पाद प्रारंभ किए गए है.

- देना जीवन बचत बैंक खाता, उन बचत बैंक खाताधारकों को रुपये 1 लाख की जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान करता है जिन्होंने इस योजना को अपनाया है. इस योजना के तहत बीमा सुरक्षा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा उपलब्ध कराया जाता है.
- देना निवास बीमा योजना, जिसके द्वारा सम्पत्ति बीमा के विकल्प के साथ हमारे आवासीय ऋण उधारकर्ताओं को रुपये 5 लाख रकम तक की व्यक्तिगत दुर्घटना (मृत्यु) बीमा सुरक्षा उपलब्ध है. बीमा सुरक्षा ओरियंटल बीमा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

10.200म्युचुअल फंड उत्पादों का वितरण

10.201 बैंकिंग बीमा और म्युचुअल फंडों मे निवेश करने जैसी वित्तीय सेवाओं की संपूर्ण शृंखला को एक ही स्थान पर ग्राहकों को प्रदान करने के उद्देश्य से; बैंक ने यू.टी.आई. म्युचुअल फंड, प्रुडेंसियल आई.सी.आई.सी.आई. म्युच्युअल फंड, जीवन बीमा निगम म्युच्युअल फंड और बैक की चयनित शाखाओं के माध्यम से उनके म्युच्युअल फंड उत्पादों के विवरण के लिए फ्रैंकलिन टेम्पलेटन इनवेस्टमेंट के साथ करार किया हैं.

9.104 The outstanding export credit as at 31st March 2006 stood at Rs 1028.28 crore as against Rs 1074.44 crore as at end of previous year.

9.105 NRI Deposits**:** NRI Deposits of the Bank has increased by 15.88% to Rs 1067.52 crore as at 31st March 2006 as against a level of Rs 921.19 crore as at end of previous year. The Bank, with a view to sharpen the focus on mobilization of NRI deposits, NRI meets were organized at different centers. During the year under review, 11 NRI Cells have been opened.

9.106 Inward Remittances: The Bank provides a on-line web enabled inbound remittance facility under the brand "Dena India Remit" in order to provide a safe, secure, sppedy and cost effective inward remittance facility to NRIs based in USA, UK and Euroland. The Bank has also arrangements with Western Union Financial Services, USA through their agents M/S AFL Pvt Ltd for inward remittances under Money Transfer Service Scheme, facilitating the beneficiaries to collect the money within few minutes of remittance from abroad.

10.000 BANCASSURANCE:

10.100 Distribution of Insurance Products:

10.101 The Bank has entered into a business tie up with the Life Insurance Corporation of India for distribution of their life insurance products through our branches, as a Corporate Agent. The Bank has an existing Referral Arrangement with The Oriental Insurance Company Ltd. for distribution of non-life insurance products. By virtue of these tie-ups, the Bank is in a position to offer the whole range of insurance products also to the customers.

10.102 During the year 2005-06, two insurance linked Banking products were introduced:

- Dena Jeevan SB Account, which offers life insurance cover of Rs.1 lakh to the SB account holders who opt for the scheme. The insurance cover under this scheme is provided by Life Insurance Corporation of India.
- Dena Niwas Bima Yojana, whereby Personal Accident [death] insurance cover for an amount up to Rs.5 lakhs is available to our housing loan borrowers with property insurance, at their option. The insurance cover is provided by The Oriental Insurance Company Ltd.

10.200 Distribution of Mutual Fund Products:

10.201 With the objective of providing a wide range of financial services like banking, insurance and investments in mutual funds to the customers under one roof, the Bank has also taken up the activity of distribution of mutual fund products. The Bank has entered into agreements with UTI Mutual Fund, Prudential ICICI Mutual Fund, LIC Mutual Fund and Franklin Templeton Investments for distribution of their mutual fund products through selected branches of the Bank.

10.202 तीसरे पक्ष के उत्पादों का वितरण कार्य बैंक द्वारा आगे बढ़ाते रहने की दिशा में उठाया गया अगला कदम है. इस नई पहल का विपणन शुल्क कमीशन के रूप में गैर ब्याज आय को बढ़ावा देने के प्रयासों का प्रमाण भी हैं.

11.000 देना बैंक द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक:

10.100 बैंक ने चार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को प्रायोजित किया था इनमें से तीन गुजरात राज्य में और एक छत्तीसगढ़ में हैं.

11.101 भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना एफ संख्या 1(2) / 2001/ - आर.आर.बी. दिनांक 12.9.2005 के अनुसरण मे गुजरात राज्य में बैंक द्वारा प्रायोजित तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों अर्थात कच्छ ग्रामीण बैंक, बनासकांठा मेहसाणा ग्रामीण बैंक और साबरकांठा गांधीनगर ग्रामीण बैंक को एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में समामेलित कर दिया गया हैं, जो गांधीनगर स्थित अपने प्रधान कार्यालय में 'देना गुजरात ग्रामीण बैंक' के नाम से है.

11.102 उपर्युक्त समामेलन से बैंक के अब केवल दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अर्थात छत्तीसगढ़ राज्य में दुर्ग राजनांदगॉव ग्रामीण बैंक (डी.आर.जी.बी.) तथा गुजरात राज्य में देना गुजरात ग्रामीण बैंक (डी.जी. जी.बी.) है.

11.103 इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गुजरात और छत्तीसगढ़ के 9 जिलों में फैली हुई 231 शाखाओं का नेटवर्क है. इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कुल कारोबार संमिश्र रुपये 1587 करोड़ रहा. 31 मार्च 2006 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए दोनो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने रु. 11.00 करोड़ का निवल लाभ अर्जित किया.

12.000अग्रणी बैंक योजना :

12.100 बैंक कुल 13 जिलों में अग्रणी बैंक का उत्तरदायित्व संभालता है. जिनमें 7 जिले गुजरात राज्य में 5 जिले छतीसगढ़ राज्य में और 1 जिला संघशासित दादरा एवं नगर हवेली में स्थित है. गुजरात राज्य और संघशासित क्षेत्र दादरा एवं नगर हवेली में बैंक की व्यापक उपस्थिति को देखते हुए वह राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति का संयोजक भी है.

13.000सूचना तकनीक

13.100 कोर बैंकिंग कार्यान्वयन

13.101 बाजार में बासेल-।। का अनुपालन, उन्नत होती हुई तकनीक में प्रतिस्पर्धा इत्यादि के साथ उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने हेतु बैंकों को तैयार करने की दृष्टि से ग्राहकों की चौकसी को अधिक तेज बनाते हुए बैंक ने 'कोर बैंकिंग समाधान' नामक एक नवीनतम 'स्टेट ऑफ द आर्ट' संकल्पना और उसके कार्यान्वयन का एक बहुत महत्वपूर्ण और अनुकूल प्रयास प्रारंभ किया है. बैंक ने अनुभवी परामर्शी फर्म, मेसर्स अर्नेस्ट एण्ड यंग की सेवाओं को लिया है जो तकनीक परिवर्तन परियोजना के माध्यम से अति आवश्यक सहायता और दिशानिर्देश उपलब्ध करा रहा है. मूल कोर बैंकिंग समाधान के अतिरिक्त बैंक ने अन्य पार्टी अनुप्रयोग को कार्यान्वित करने का उपाय भी किया है. जो ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बैंक के कार्य-कलापों के रुपमें बदल देगा. अन्य पार्टी अनुप्रयोगों का समूह जिनमें सुपुर्दगी चैनलों (इन्टरनेट एवं फोन बैंकिंग), जोखिम प्रबंधन और आस्ति देयता प्रबंधन, अन्तरण मूल्य, बजट तथा पूर्वानुमान, साख मूल्यांकन और प्राप्तांक, ग्राहक संबंध प्रबंधन, बेनामी लेन-देन की रोकथाम, समेकित खजाना प्रबंधन और नकदी प्रबंधन भी सम्मिलित है.

10.202 Distribution of third party products is another step taken by the Bank towards 'Convergence'. Marketing of these New Initiatives also marks an effort to boost the non-interest income by way of fee / commission.

11.000 Regional Rural Banks sponsored by Dena Bank

11.100 The Bank had sponsored four Regional Rural Banks (RRBs), out of which, three were in Gujarat and one in Chhattisgarh.

11.101 Pursurant to the notification F.No.1(2)/2001-RRB dated 12.09.2005 issued by Government of India, the three Regional Rural Banks namely Kutch Gramin Bank, Banaskantha Mehsana Gramin Bank and Sabarkantha Gandhinagar Gramin Bank sponsored by the Bank in the State of Gujarat have been amalgamated into a single Regional Rural Bank & named "Dena Gujarat Gramin Bank" with its headquarter at Gandhinagar.

11.102 With the aforesaid amalgamation, the Bank has, now, only two RRBs namely Durg Rajnandgaon Gramin Bank (DRGB) in the State of Chhattisgarh and Dena Gujarat Gramin Bank (DGGB) in the State of Gujarat,

11.103 These RRBs have a network of 231 branches spread over 9 districts of Gujarat and Chhattisgargh. The total business mix of the these RRBs stood at Rs.1587 Crore. For the financial year ended 31st March, 2006, both the two RRBs have earned net profit amounted to Rs. 11 crore.

12.000 LEAD BANK SCHEME:

12.100 The Bank has Lead Bank responsibility in total 13 districts, of which 7 Districts are in Gujarat, 5 Districts in Chhattisgarh and one in Union Territory of Dadra and Nagar Havel. The Bank is also the Convener of State Level Bankers' Committee for the State of Gujarat and Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

13.000 INFORMATION TECHNOLOGY:

13.100 Core Banking Implementation

13.101 With a view to prepare the Bank to face the emerging challenges in the market, including Basel II compliance, competition with technology as the cutting edge etc., while sharpening the customer focus, the Bank has embarked upon a very important and strategic endeavor of conceptualizing and implementing a state of the art 'Core Banking Solution' (CBS). The Bank has engaged the services of an experienced consultancy firm, M/s. Ernst & Young, who are providing the much needed support and guidance throughout the technology transformation project. Apart from the basic core banking solution, the Bank has also initiated steps to implement a bouquet of third party applications that will transform the way the Bank functions, keeping in mind the customer need. The host of third party applications include Delivery Channels (Internet & Phone Banking), Risk Management & Asset Liability Management, Transfer Pricing, Budgeting And Forecasting, Credit Appraisal And Scoring, Customer Relationship Management, Anti Money Laundering, Integrated Treasury Management and Cash Management.

13.102 नए कोर बैंकिंग समाधान वातावरण का अनुकूलतम लाभ उठाने के लिए कोर बैंकिंग समाधान के कार्यान्वयन हेतु विविध परिवर्तन पूर्व गतिविधियां प्रारम्भ की गई है. बैंक ने कारोबार प्रक्रिया पुर्न इंजिनीयरिंग का प्रयोग भी प्रारम्भ कर दिया है ग्राहकों से संबंधित वर्तमान डाटाबेस, डाटा शोधन और उसे अद्यतन बनाने की प्रक्रिया की शर्तों पर किया जाएगा. बैंक की कोर बैंकिंग समाधान वाली शाखाओं के बारे में एकरुपता लाने की योजना है, ताकि बेहतर छवि और अनुभूति हो, और उसे ग्राहकों की बेहतर सुविधा को ध्यान में रखते हुए अभिकल्पित किया जा सके.

13.103 बैंक की अगले दो वर्षो में कोर बैंकिंग समाधान परिवेश के तहत 850 शाखाओं को शामिल करने की योजना है.

13.200 वर्तमान सूचना तकनीक उपाय :

13.201 कंप्यूटरीकरण की वर्तमान स्थिति, सुर्पुदगी चैनल का विस्तार और नेटवर्क विस्तार निम्नानुसार है :

कम्प्यूटरीकरण का स्तर	मार्च 2005	मार्च 2006
शाखाओं की कुल संख्या	1123	1122
कम्प्यूटरीकृत कुल शाखाएं	1123	1122
पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत (टीवीसी)	1053	1115
अंशतः कम्प्यूटरीकृत (पीबीसी)	70	7
कम्प्यूटरीकृत शाखाओं का प्रतिशत	100%	100%
कारोबार का प्रतिशत	96.17%	98.30%
नेटवर्क वाली शाखाओं की संख्या	704	955
एटीएमों की संख्या	155	240

13.300 एटीएम संस्थापन और संबंद्ध सेवाएं

13.301 डिलिवरी चैनलों की अत्यधिक प्रचलित और सुविधाजनक प्रणाली के रूप में ए.टी.एमों के लागू करने की सार्वभौम प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए 31 मार्च, 2006 तक सम्पूर्ण देश में कुल 240 ए.टी.एम. स्थापित किए गए. इसमें और ए.टी.एम. नियमित रूप से लगाए जा रहे हैं. 31 मार्च, 2006 को 110 केन्द्रों वाले 240 ए.टी.एमों के संस्थापन आधार में 42 अप्रत्यक्ष अवस्थिति वाले एटीएम शामिल हैं.

13.302 बैंक, वीसा का एक सदस्य है. इस प्रकार सम्पूर्ण भारत में 1,00,000 से अधिक व्यापारिक संस्थानों (एम.ई.एस), और वीसा एटीएमों और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर 13 मीलीयन से अधिक एम.ई.एस. एवं 890,000 ए.टी.एमों द्वारा कार्डधारकों को उनके खातों तक पहुंचने में सुगम बनाता है.

13.400 नेटवर्क आधारित अनुप्रयोग :

13.401 ग्राहकों की संतुष्टि के लिए ठोस मूलभूत सेवाओं को चैनलीकृत करने और उनकी ओर से किए गए निवेश के प्रतिफल में वृद्धि करने की दृष्टि से बैंक ने नेटवर्क आधारित निम्नलिखित उत्पादों एवं सेवाओं को प्रारम्भ किया है.

13.402 ए.टी.एम./डेबिट कार्ड : वर्तमान में, 100 केन्द्रों वाली 312 शाखाएं ए.टी.एम./डेबिट कार्ड जारी करने में तकनीकी रूप से समर्थ हो गई हैं. इन शाखाओं ने अपने ग्राहकों को अब तक 3.28 लाख डेबिट कार्ड जारी किए हैं. किसी समर्थ वीसा और पीओएस टर्मिनलों के अलावा इन कार्डों का कार्पोरेशन बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के किसी ए.टी.एमों और बैंकों के कैश ट्री/कैश नेट/एनएफएस समूहों से संबंधित ए.टी.एमों पर इस्तेमाल किया जा सकता है.

13.102 In order to optimally exploit the new CBS environment, various pre – migration activities for CBS implementation have been initiated. The Bank has initiated an exercise of business process re-engineering. The existing databases on customers will be subjected to the process of data cleaning and updation. The Bank plans to have a uniform layout for the CBS branches that will have a better look & feel and will be designed keeping in view better customer convenience.

13.103 The Bank plans to rollout 850 branches under CBS environment in the next two years.

13.200 Present IT Initiatives

13.201 The present status of computerization, expansion of delivery channel and network expansion is as under:

Level of Computerisation:	March 2005	March 2006
Total No. of branches	1123	1122
Total Computerized Branches	1123	1122
Fully Computerized (TBC)	1053	1115
Partially Computerized (PBC)	70	7
Per cent of branches computerized	100%	100%
Percent of business covered	96.17%	98.30%
No. of Networked Branches	704	955
Number of ATMs	155	240

13.300 ATM Installations & Related Services:

13.301 In keeping with the universal trend of introducing ATMs as the popular and convenient mode of delivery channels, a total of 240 ATMs have been installed all over the country as at 31st March 2006 and more ATMs are being added ongoing regularly. As of 31st March, 2006, the installation base of 240 ATMs covered 110 centres including 42 at offsite locations.

13.302 The Bank is a member of VISA, thus facilitating the Bank's cardholders to access their accounts from more than 1,00,000 Merchant Establishments (MEs) and VISA ATMs, all over India and more than 13 million MEs and 890,000 ATMs, internationally.

13.400 Network based Applications

13.401 With a view to channelise the massive infrastructure for customer satisfaction and maximize the Return on Investment made in creation thereof, the Bank has introduced various network based products and services as under:

13.402 ATM / Debit Cards: At present 312 branches covering more than 100 centres have been technologically enabled to issue ATM / Debit cards. These branches have issued 3.28 lakhs Debit Cards to their customers so far. Apart from any VISA enabled & POS terminals, these cards can be used at any of the ATMs of Corporation Bank and State Bank of India as well as ATMs belonging to CASHTREE / CASHNET/NFS group of Banks.

13.403 बैंक ने कॉर्पोरेशन बैंक के एटीएम से भागीदारी व्यवस्था किया हैं तथा बैंक ऑफ इंडिया, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, सिंडीकेट बैंक, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ राजस्थान एवं कर्नाटक बैंक के साथ कैश ट्री समूह में भी भागीदारी की है. बैंक ने अपने ग्राहकों को और अधिक ए.टी.एम. की सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से, आई.डी.बी.आई. बैंक, सिटी बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, बैंक ऑफ पंजाब, सेंचुरियन बैंक, यू.टी.आई. बैंक, डेवलपमेंट क्रेडिट बैंक तथा धनलक्ष्मी बैंक लि. के साथ कैशनेट समूह में भी सहभागिता की है. बैंक ने हाल ही में राष्ट्रीय वित्तीय स्विच द्वारा आरंभ किए गए ए.टी.एम. में भी सहभागिता की है. ए.टी.एम. से बैंक ने कई मूल्यवर्धित सेवाएं जैसे कि मोबाइल, प्री-पेड टॉप अप आदि भी उपलब्ध कराई है.

13.403 The Bank has ATM sharing arrangements with Corporation Bank and Cash Tree group of banks comprising of Bank of India, United Bank of India, Syndicate Bank, Indian Bank, Union Bank of India, Bank of Maharashtra, Bank of Rajasthan and Karnataka Bank. The Bank has also joined Cashnet group Banks that includes IDBI Bank, Citibank, Standard Chartered, Bank of Punjab, Centurion Bank, UTI Bank, Development Credit Bank, The Dhanalakshmi Bank Ltd., thereby increasing the ATM reach for the Bank's customers. The Bank has recently joined National Financial Switch initiated ATM sharing arrangement. The Bank has a number of value added services over the ATMs like, Mobile Pre-paid Top-up.

13.404 किसी भी शाखा में बैंकिंग एवं बहुनगरीय चेक सुविधा : 50 केन्द्रों की 138 शाखाओं में यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है जो एक शाखा के ग्राहकों को अन्य शाखाओं में नकद आहरण, निधियों का अन्तरण, नकदी प्रबंधन सेवा जैसे अपने कारोबार संचालन की सुविधा प्रदान करती है. ग्राहकों की सुविधा हेतु किसी भी शाखा में बैंकिंग के तहत बहुनगरीय चेक सुविधा को एक और सुविधा के रूप में आंरभ किया गया है.

13.404 Any Branch Banking & Multi-City Cheque Facility: This facility introduced at 138 branches across 50 centres, enables customers of one branch to transact business like cash withdrawal, cash deposit, funds transfer and Cash Management service from other branches. Multi City Cheque facility has been launched as one more function under Any Branch Banking for the benefit of our customers.

13.500 नेटवर्क आधारित सेवाएं

13.500 Network based Services:

13.501 **देनानेट :** संचार के आधारभूत महत्व को स्वीकार करते हुए; वर्तमान तकनीक संचालित बैंकिंग में, बैंक ने अपना निजी नेटवर्क ''देनानेट'' स्थापित किया हुआ है जो 100 से भी अधिक केन्द्रों पर 34 प्रशासनिक कार्यालयों, 921 शाखाओं में, 455 लीज्ड लाइनों, 203 आईएसडीएन लाइनों, 117 वी सैट, 520 डायल अप लाइनों के साथ कार्यरत है. 99% से अधिक का समय सुनिश्चित करने हेतु एक सुविधा प्रबंधन टीम द्वारा 24×7 आधार पर देनानेट की निरंतर निगरानी की जाती है. शाखाओं द्वारा त्वरित एवं कार्यक्षम ग्राहक सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तथा शाखा स्तर के स्टाफ की सहायता करने के उद्देश्य से दूर दराज की समस्याओं को दूर करने के लिए देना नेट की क्षमताओं का उपयोग, कुशल मानव शक्ति का उपयोग प्रभावी एवं अनुकलतम रूप में करते हुए, किया जा रहा है.

13.501 **DENANET**: Recognising the importance of communication infrastructure in present day technology driven banking, the Bank has set up its own network "DENANET" using 455 Leased Lines, 203 ISDN lines, 117 VSATs and 520 Dial-up lines connecting 921 branches and 34 administrative offices spread over 100 centres. DENANET is continuously monitored on 24 X 7 basis by a facility management team for ensuring above 99% uptime. DENANET capabilities are being used for the purpose of troubleshooting from a remote location thus utilising the skilled manpower more effectively and optimally in assisting field level staff, thus lending support to branches in extending prompt and efficient customer service.

13.502 **आर.टी.जी.एस.** बैंक, पीडीओ एनडीएस अनुप्रयोग प्रणाली में अन्तर बैंक निधि अंतरण, ग्राहकों द्वारा लेनदेनों के लिए वास्तविक समय निपटान के माध्यम में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है. इस समय यह सुविधा 85 नामित शाखाओं में उपलब्ध है तथा वर्तमान वर्ष में इसे अन्य बहुत सी शाखाओं में विस्तारित करने की भी बैंक की योजना है.

13.502 **RTGS** : Bank is actively participating in PDO-NDS application system and Inter-bank fund transfer and customer transactions through Real Time Gross Settlement (RTGS). This facility is available at 85 designated branches and bank has plans to expand it in current years in many more branches.

13.503 **मोबाईल बैंकिंग :** इस समय 38 केन्दों पर 87 शाखाओं में मोबाईल बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध है जिसके अर्न्तगत ग्राहक मोबाईल फोन द्वारा अपने खातों की अद्यतन स्थिति के बारे में शाखा से सतत संपर्क में रह सकते हैं. इसके प्रथम चरण में तीन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, (क) खाते में उपलब्ध शेष से संबंधित जानकारी, (ख) चैक की स्थिति तथा (ग) खाते का संक्षिप्त विवरण (अंतिम 3 लेनदेन).

13.503 **M-banking** : Presently Mobile Banking is available at 87 branches across 38 centers, to enable the customers with mobile phones to remain connected with their branch to access their accounts. In the first phase, 3 services are being provided (a) Balance inquiry, (b) Cheque status and (c) Mini statement of accounts (last 3 transactions).

13.504 **देना बिल पे :** यह सुविधा मुंबई की 25 शाखाओं में उपलब्ध है जिसके तहत ग्राहक अपने टेलिफोन, मोबाईल, बिजली आदि के बिलों का भुगतान लाइन में खड़े हुए

13.504 Dena BillPay : This facility is available at 25 branches in Mumbai, enabling customers to pay their utility bills like, Telephone bills, Mobile bills, Electricity bills etc. through

बिना या नकद/चेक द्वारा भुगतान के स्थान पर सीधे अपने खातों मे से सुविधाजनक माध्यम (क) स्वतः भुगतान, (ख) फोन द्वारा भुगतान, (ग) इन्टरनेट द्वारा भुगतान के जरिये कर सकते हैं.

13.505 **इन्टरनेट बैंकिंग :** 40 से अधिक केन्द्रों पर बैंक की 62 शाखाओं में इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध है जिसके अन्तर्गत इन्टरनेट सुविधा रखने वाले ग्राहक अपने खातों के बारे में (क) खातों में उपलब्ध शेष (ख) चेकों की स्थिति तथा (ग) खाते का संक्षिप्त विवरण (अंतिम 10 लेनदेन) के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा कारोबार कर सकते हैं.

13.506 **डाटा अंतरण :** समय पर निर्णय लेने के लिए विकसित प्रबंध सूचना प्रणाली महत्वपूर्ण है. इस दृष्टि से देना नेट का शाखाओं से क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय से कार्पोरेट कार्यालय को गैर निष्पादक आस्ति, लेखा परीक्षा पुस्तिका, वायर विवरणियाँ और अन्य प्रबंध सूचना प्रणाली से संबंधित आकड़ों के अन्तरण हेतु व्यापक रूप से उपयोग किया जाता हैं. देनानेट ने बैंक को उसकी नोडल शाखाओं के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक में ऐसे कारोबार का लेन देन करने वाली विभिन्न शाखाओं के प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रुप से संबंद्ध आंकड़ों के प्रेषण में सरकारी निर्धारणों का अनुपालन करने में समर्थ बनाया है ताकि इस नेटवर्क की सहायता से संबंद्ध शाखा इलेक्ट्रॉनिक रूप से कार्य कर सके.

13.507 **कॉर्पोरेट ई-मेल :** 1000 से अधिक उपयोगकर्ता विभिन्न स्तरों पर संचार/सूचना के सूक्ष्म और तीव्र प्रवाह के लिए बैंक से सीधे कार्पोरेट ई-मेल का प्रयोग कर रहे हैं.

13.600 बैंक की वेबसाइट : *www.denabank.com*

13.601 बैंक ने बेहतर रुप एवं अनुभूति के साथ अपनी वेबसाईट पुनः तैयार की है और बैंक ने अब इसमें शाखा स्थल निर्धारक, परिकलक, युगल क्लिक संचालन प्रणाली आदि जैसी ग्राहकोंनुकूल कई विशेषतायें शामिल की है. एक वेबमास्टर इस वेबसाइट को अद्यतन और आकर्षक बनाए रखता है. वेब साइट पर वित्तीय परिणामों से संबंधित सूचनाएं भी प्रदर्शित की जाती है. जिससे स्वामित्व रखने वाले, बैंक की आर्थिक स्थिति की निरंतर समीक्षा कर सकें.

13.602 सूचना प्रौद्योगिकी की सुदृढ़ आधारभूत सुविधा की सहायता से बैंक ग्राहकों को अधिकाधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने हेतु तत्पर है.

14.000 जोखिम प्रबंधन :

14.100 बैंक ने जोखिम प्रबंधन के संबंध में निदेशकों की समिति द्वारा संचालित संरचनात्मक जोखिम प्रबंधन प्रणाली व्यवस्था लागू की है. बैंक ने साख तथा बाजारू जोखिमों के बेहतर संचालन को ध्यान में रखते हुए अपनी साख नीति एवं आस्ति देयता प्रबंधन नीति को संशोधित एवं अद्यतन किया है. बैंक ने इसके साथ ही अपनी परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन नीति भी तैयार की है. वर्ष के दौरान बैंक ने अपनी एक समेकित जोखिम प्रबंधन नीति भी बनाई है.

14.101 बहियों में समग्र बाजार जोखिमों को एक ही स्थान पर केन्द्रित करने के अपने प्रयासों के एक भाग के रुप में बैंक ने अपने घरेलू तथा विदेशी मुद्रा कोषों को समेकित किया है.

three convenient payment modes (a) Auto Pay, (b) Phone Pay and (c) Internet, from their accounts without the need to stand in the queue or paying through cash / cheque. Dena BillPay is powered by BILL DESK, a renowned Service Provider for utility bill payments.

13.505 **Internet Banking :** Internet banking is available at 62 branches spread over 40centres to enable a customer having internet facility to access their accounts status in the form of a) Balance inquiry, (b) Cheque status and (c) Mini statement of accounts (last 10 transactions).

13.506 **Data Transfer :** Improved MIS is vital for timely decision making. With this in view, the DENANET is extensively used for transfer of data related to NPA, Audit Booklet, weekly information returns and other MIS from branches to Regional Offices and then to Corporate Office. The DENANET has also enabled the Bank to comply with Government stipulations of transmission of data related to direct / indirect taxes from various branches to Reserve Bank of India through nodal branches and link branch electronically with the help of this network.

13.507 **Corporate E-MAIL** – Across the Bank, at various levels, more than 1000 users are using Corporate e-mail for smooth and quick flow of communication / information.

13.600 Bank's Web site: *www.denabank.com*

13.601 The Bank has revamped its web site with a better look & feel and it now contains many customer friendly features like, Branch locators, Calculators, Two-click navigation system etc . The webmaster keeps the website updated and dynamic on an ongoing basis. The positive result of this initiative is already reflected in terms of increased number of hits on the web-site and complimentary messages received from netizens. The web-site also displays information like financial results of the Bank that would enable stakeholders to continuously assess the financial well being of the Bank.

13.602 With robust IT infrastructure, the Bank is well poised to take the leap forward to drive technology towards affording greater customer convenience.

14.000 RISK MANAGEMENT:

14.100 The Bank has put in place structured risk management systems and architecture overseen by a Committee of Directors on Risk Management. The Bank revised and updated its Credit Policy and ALM Policy with a view to manage credit and market risks better. The Bank has also framed its operational risk management policy. During the year, the Bank also framed its Integrated Risk Management Policy.

14.101 As part of its efforts to centralize entire market risk in its books at one place, the Bank has integrated its domestic and foreign exchange treasuries.

14.102 बैंक ने उधारकर्ताओं के दि. 31-03-2004 के लेखा परीक्षित वित्तीय खातों के आधार पर रु. 5.0 करोड़ एवं उससे अधिक के सभी ऋणों के साख निर्धारण का सत्यापन किया है, तथा दि. 31-03-2005 के लेखा परीक्षित वित्तीय खातों के आधार पर साख निर्धारण की प्रक्रिया पूर्ण होने की तैयारी में हैं.

14.103 परिचालनगत जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में वर्ष के दौरान बैंक ने सूचना एवं तकनीक सुरक्षा नीति भी बनाई है. कारोबार निरंतरता योजना बनाने के लिए बैंक द्वारा अपेक्षित आवश्यक कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं.

14.200ऋण समीक्षा व्यवस्था

14-201 बैंक में ऋण समीक्षा व्यवस्था वर्ष 2001-02 के दौरान जोखिम की पहचान कार्य के अंग के रूप में ऋण मूल्यांकन में किसी भी कमजोरी की पहचान करने, प्रलेखीकरण, उच्चमूल्य वाले अग्रिमों के आचरण का पता लगाने में मदद करने तथा तुरन्त सुधारात्मक उपाय करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई थी, यह व्यवस्था सुस्थापित हो चुकी है. वर्ष 2005-06 के दौरान सभी पात्र खातों को बैंक की ऋण नीति के अनुसार साख लेखा परीक्षा के अधीन लाया गया. साख लेखा परीक्षा रिपोर्टों के अनुपालन रिपोर्ट निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति के समक्ष नियमित आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं. जो बैंक के साख प्रबंधन में सुधार लाने हेतु किए जाने वाले आवश्यक उपायों के संबंध में मार्गदर्शन करती है.

15.000मानव संसाधन विकास

15.100 बैंक का अभिमत है कि बैंक की आंतरिक जनक्षमता की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति, आंतरिक जनशक्ति से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है. संगठन के भीतर की जनशक्ति ही संगठन की सफलता तथा मूल्य निर्माण का मूलाधार है. बैंक की सफलता भीतर के लोगों की क्षमता में हैं - यह उनकी क्षमताएँ ही है जो संकल्पना तथा रचना कौशल को निष्पादित करने, ग्राहकों को अधिकाधिक संतुष्टि देने तथा वित्तीय अनुपालन को नया रूप देती है.

15.101 बैंक अपने स्टाफ को उनकी क्षमताओं को और सुधारने के लिए लगातार सीखने के अवसर प्रदान करता है. वर्ष के दौरान बैंक ने साख, खुदरा बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, प्रबंधन विकास, ग्राहकोन्मुखी तथा ग्रामीण वित्त आदि के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 4235 कर्मचारियों (अर्थात 2170 अधिकारियों, 2017 लिपिकों तथा 48 अधीनस्थ कर्मचारियों) को प्रशिक्षण दिलाया. बैंक ने 11 अधिकारियों को उनके परिचालन से संबंधित क्षेत्रों में व्यापक अनाश्रयता और विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए भी प्रतिनियुक्त किया.

15.102 कर्मचारियों में नई दक्षता और नई प्रतिभा लाने की दृष्टि से बैंक ने साख, सूचना तकनीक, कृषि, विपणन, विदेशी मुद्रा आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की है. वर्ष के दौरान बैंक ने 199 विशेषज्ञता प्राप्त अधिकारियों की भर्ती की है.

15.103 बैंक की स्टॉफ संख्या 31 मार्च, 2005 को 10201 से घटकर 31 मार्च, 2006 को 10156 रह गई. जिसमें 3414 अधिकारी, 4196 लिपिक तथा 2546 अधीनस्थ कर्मचारी का समावेश हैं. बैंक की स्टाफ संख्या में 1636 महिला कर्मचारियों का समावेश है. बैंक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों से संबंधित कर्मचारी वर्ग का प्रतिनिधित्व निर्धारित स्तर के अनुरूप है.

14.102 The Bank has verified credit rating of all exposures of Rs.5 Crore and above based on audited financial accounts of the borrowers as at 31/03/2004 .Credit rating based on audited financial accounts as at 31/03/2005 was near complete.

14.103 As part of its Operational Risk Management Program, IT security Policy was formulated during the year. Initial steps for preparation of Business Continuity Plan have already been taken.

14.200 Loan Review Mechanism

14.201 The loan review mechanism was introduced in the Bank during 2001-02 as part of credit risk management exercise to help identify any weaknesses in appraisal, documentation, conduct of large value advances and to take immediate corrective actions. The system is well stabilised. During the year 2005-2006, all eligible accounts were subjected to credit audit, in terms of the Bank's Loan Policy. The compliances to credit audit reports are being placed before the Audit Committee of the Board on regular basis who guide the Bank by suggesting measures to be initiated for improvement in credit management.

15.000 HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

15.100 Bank believes that the competitive strength of the Bank internal people capability is directly related to internal people capability. People within the organisation hold the key to the organisation's success and value creation. Bank succeeds if people within are capable - it is their capabilities that translate the vision and strategy into execution, bring about more satisfied customers and higher levels of financial performance.

15.101 Bank provides continuous learning opportunities to its staff to further improve their capabilities. During the year, Bank trained 4235 employees (i.e. 2170 Officers, 2017 Clerks and 48 Subordinates) in thrust areas of Credit, Retail Banking, Risk Management, Management Development, Customer Orientation and Rural Finance etc. The Bank also deputed 11 Officers to attend international seminars/ workshops for wider exposure and development in their respective areas of operation.

15.102 With a view to infusing new skills and fresh talent, the Bank initiated process of recruitment of Specialist Officers in thrust areas like Credit, Information Technology, Agriculture, Marketing, Forex, etc. During the year, the Bank recruited 199 Specialist Officers.

15.103 The staff strength of the Bank decreased from 10201 as on March 31, 2005 to 10156 as on March 31, 2006 comprising of 3414 Officers, 4196 Clerks and 2546 Subordinate staff. The Bank's staff strength includes 1636 women employees. The representation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes employees in the Bank is in conformity with the prescribed level.

15.200 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों के लिए परिवाद निवारण तंत्र

15-201 बैंक ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन को देखने के लिए मुख्य संपर्क अधिकारी के रूप में काम करने वाले महाप्रबंधक श्रेणी के एक शीर्ष कार्यपालक को नामित किया है. आरक्षण, भेदभाव जैसे मुद्दों से संबंधित समस्याओं/परिवादों को दूर करने के लिए अखिल भारतीय देना बैंक अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ के साथ प्रधान कार्यालय मे आवधिक अंतराल पर तिमाही बैंठके आयोजित की गई. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जन-जाति आयोग, नई दिल्ली के माननीय उपाध्यक्ष श्री फकीरभाई वाघेला ने दिनांक 01-02-2006 को बैंक का दौरा किया तथा आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के आदेश की समीक्षा की.

15.300 औद्योगिक संबंध :

15.301 बैंक अपने औद्योगिक संबंध सौहाद्रपूर्ण तथा सामंजस्यपूर्ण रखता है. एसोसिएशन तथा यूनियनों के साथ आवधिक बैठकों का आयोजन किया गया. बैंक की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए संयुक्त दायित्व के प्रतीक के रूप में समस्त यूनियनों/ एसोसिएशनों द्वारा बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन किया गया, जिसकी बैंकिंग उद्योग द्वारा एक अद्वितीय पहल के रूप में सराहना की गई.

15.400 कैरियर प्रगति

15.401 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 400 लिपिको को क. प्र. श्रे. वेतनमान-। में पदोन्नत किया गया तथा अधिकारी संवर्ग में एक वेतनमान से अन्य वेतनमान में 489 पदोन्नतियाँ की गई.

16.000 ग्राहक सेवा

ग्राहक संतुष्टि में सुधार लाने के लिए बैंक ने केन्द्रित ग्राहक सेवा को बढ़ावा देने हेतु सार्थक प्रयास किए. वर्ष के दौरान बैंक ने इस लक्ष्य हेतु निम्नलिखित उपाय किए.

16.100 आई एस ओ 9001-2000 प्रमाणन की अवप्राप्ति

16.101 उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणली के प्रति आई एस ओ 9001-2000 एक सकारात्मक कदम है. यह कर्मचारी उत्पादन तथा मुद्रा संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित करता है. जिसका परिणाम ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाने के रूप में सामने आया है. वर्ष 2005-06 के दौरान पूरे देश में बैंक की 51 शाखाओं ने आईएसओ 9001-2000 प्रमाणन प्राप्त किया. 31 मार्च, 2006 को हमारी 175 शाखाओं ने आईएसओ 9001-2000 प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है.

16.200 ग्राहकों की शिकायतों का निवारण

16.201 ग्राहकों की शिकायतों का यथासमय निवारण करने को बैंक उच्च प्राथमिकता देता है. बैंक के ग्राहक सीधे पत्र द्वारा अथवा बैंक की वेबसाईट के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं तथा अपने प्रश्नों/ पूछताछ, यदि कोई है, को पत्र फोन, ई-मेल अथवा वेबसाईट के द्वारा भेज सकते हैं.

16.300 ग्राहक सेवा की कार्यविधि एवं कार्य निष्पादन लेखा परीक्षा के संबंध में स्थायी समिति

16.301 इसके साथ ही ग्राहक सेवा में सुधार लाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बैंक ने ग्राहक सेवा की कार्य अवधि एवं कार्यनिष्पादन

15.200 Grievances Redressal Mechanism for SC / ST / OBC Employees:

15.201 The Bank has nominated a Top Executive in the rank of General Manager to officiate as Chief Liaison Officer to oversee implementation of Reservation Policy for Scheduled Caste and Scheduled Tribe. The quarterly meetings with All India Dena Bank SC / ST / OBC Employees' Federation were held at periodic intervals at Head Office to redress problems / grievances relating to the issues like reservation, discrimination etc. During the period under review, Shri Fakirbhai Waghela, Hon'ble Vice - Chairman, National Commission for SC, New Delhi visited the Bank on 01.02.2006 and reviewed the Rule of Implementation of Reservation Policy in the Bank.

15.300 Industrial Relations:

15.301 The Bank maintains cordial and harmonious Industrial Relations. Periodical meetings were conducted with the Associations and Unions. As a sign of joint responsibility to improve the health of the Bank a Memorandum of Understanding was entered into by all the Unions / Associations with the Bank, a unique initiative appreciated by banking fraternity.

15.400 Career Progression :

15.401 During the year under review, 400 clerks were promoted to officers' cadre in JMG Scale I and 489 promotions were effected within officers' cadre from one scale to another.

16.000 Customer Service

The Bank has concentrated on internalizing customer expectations and aspirations more intensely. During the year, the Bank has taken following measures to improve customer satisfaction:

16.100 Acquisition of ISO 9001:2000 Certification.

16.101 ISO 9001:2000 certification is a positive step towards quality management system. It ensures optimum utilization of resources of man, material and money resulting in enhancement in customer satisfaction. During the year 2005-06, 51 branches of the Bank across the country have acquired ISO 9001:2000 Certifications. As at 31st March 2006, 175 branches have received ISO 9001:2000 Certifications.

16.200 Redressal of Customer Grievances:

16.201 The Bank is giving top priority in resolving customers' complaints/grievances on timely basis. The customers of the Bank can correspond directly or through web-site of the Bank and pose their questions/queries if any, through web-site apart from letters, telephone, e-mail, etc.

16.300 Standing Committee on Procedures & performance Audit of Customer Service

16.301 Further, with the objective of attaining improvement in the customer service, the Bank has constituted a Standing Committee on Procedures & performance Audit of

लेखा परीक्षा पर एक तदर्थ समिति गठित की है. इस समिति में बैंक के शीर्ष कार्यपालकों के अतिरिक्त दो प्रतिष्ठित ग्राहकों का भी सदस्यों के रूप में समावेश है.

16.302 इसके अतिरिक्त बैंक ने निदेशक मंडल स्तर पर भी ग्राहक सेवा समिति का गठन किया है. जो ग्राहक सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं ग्राहक वर्ग की समस्त श्रेणियों हेतु ग्राहक संतुष्टि के स्तर को सुधारने के उपाय बताएगी.

17.000 आंतरिक नियंत्रण एवं सतर्कता

17.100 बैंक के पास निवारक सतर्कता के क्षेत्र में विशिष्ट दृष्टि के साथ विविध सतर्कता गतिविधियों पर नियंत्रण रखने, निगरानी तथा देखरेख के लिए अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में एक प्रभावपूर्ण सतर्कता व्यवस्था है, जो भारत सरकार केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिदेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है. अन्य बैंकों में घटित धोखाधड़ी की घटनाओं तथा उसकी कार्यप्रणाली के संबंध में भारतीय बैंक संघ से प्राप्त सूचना के आधार पर बरती गई सावधानी/निवारक सतर्कतापूर्ण उपायों से कर्मचारियों को भी अवगत कराया जाता है. क्षेत्र कार्यकर्ताओं में सतर्कता के प्रति निरंतर जागरुकता बनाए रखने के उपाय के रूप में परिपत्र अनुदेशों तथा दिशानिर्देशों को अविरत आधार पर जारी किया जाता है, ताकि परिचालन के विविध क्षेत्रों में धोखाधड़ी से बचा जा सके. कर्मचारियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता को बढ़ाने तथा उसके प्रति उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए नियमित प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं. बैंक में कारगर सतर्कता प्रशासन के लिए प्रणाली एवं कार्यविधियों को सुधारने हेतु लगातार भरसक प्रयास किए जाते हैं. बैंक का निदेशक मंडल प्रत्येक तिमाही में सतर्कता विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा करता है.

17.101 सतर्कता मशीनरी को मजबूत करने की दृष्टि से विविध परिचालन क्षेत्रों में बैंक के दिशानिर्देशों पर ज़ोर देते हुए प्रणाली एवं कार्यविधियों को सुधारने के लिए सतत प्रयास किए जाते हैं. भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशों के अनुसार अपने ग्राहक को जानिए एवं बेनामी लेनदेन की रोकथाम के उपायों के संबंध में बैंक के निदेशक मंडल द्वारा यथा अनुमोदित नीतिगत ढांचे को प्रस्तुत किया गया. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर सूचित अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) दिशानिर्देशों तथा बेनामी लेनदेन की रोकथाम के उपायों (एएमएल) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बैंक ने सभी उपाय किए हैं जिसमें मुख्य अधिकारी द्वारा किए गए लेन देनों की निगरानी तथा रिर्पोटिंग शामिल है. बैंक इस प्रकार 'केवाईसी' का अनुपालक है.

17.102 बैंक का अंतरिक निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा विभाग भारिबैं के दिशानिर्देशों के अनुसार शाखाओं तथा प्रधान कार्यालय के विभागों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों का आवधिक निरीक्षण सुनिश्चित करता है. इस प्रयोजन हेतु बैंक के पास अहमदाबाद में स्थानीय कक्ष सहित प्र.का. मुंबई में सुप्रशासित आन्तरिक निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा विभाग है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप समस्त शाखाओं का आवधिक निरीक्षण सुनिश्चित करता है. विभाग विशिष्ट प्रकार की लेखा परीक्षाओं के लिए लेखा परीक्षा प्रारुप/नीतिगत दिशानिर्देशों में अनेक अशोध्यों के

Customer Service (CPPAPS). The Committee, in addition to top executives of Bank, has two valued customers as its members.

16.302 In addition to above, the Bank has also formed Customer Service Committee at Board level to advise measures for enhancing the quality of customer service and improving the level of customer satisfaction for all categories of clientele at all times.

17.000 INTERNAL CONTROL AND VIGILANCE:

17.100 Bank has an effective vigilance set-up in place at its Corporate Office for control, monitoring and supervision of various vigilance functions with specific focus in the area of preventive vigilance. Implementation of the instructions/guidelines on internal control and vigilance functioning issued by the Govt.of India, Central Vigilance Commission and Reserve Bank of India are ensured. The information received through Indian Banks' Association regarding the modus operandi and instances of fraud perpetrated at other banks, precautions/ preventive vigilance steps to be taken is also shared with the employees. Circular instructions and guidelines are issued to the field functionaries on ongoing basis as a measure of continuous vigilance awareness and to keep them vigilant and alert to avoid fraud in various areas of operation. Regular trainings and educative workshops are conducted to sensitise and improve the faculty of vigilance awareness in the employees. Continuous endeavours are made to improve the systems and procedures for an effective vigilance administration in the Bank. The working of Vigilance Department is also reviewed by Bank's Board on quarterly basis.

17.101 With a view to strengthen the vigilance machinery, constant efforts to improve the systems and procedures are made by reiterating the Bank's guidelines in various operational areas. As per the Reserve Bank of India directives, a policy framework on Know Your Customer (KYC) & Anti-Money Laundering Measures (AML) has been put in place duly approved by the Bank's Board. Bank has taken all measures for effective implementation of KYC guidelines & AML measures advised by RBI from time to time including monitoring and reporting of transactions through the Principal Officer. Bank is thus KYC compliant.

17.102 The Internal Inspection and Audit Department of the Bank ensures periodical inspection of branches and H.O. Departments and Regional Offices, as per RBI guidelines. For this purpose, The Bank has well administered Internal Inspection and Audit department at H.O. Mumbai, with locational cell at Ahmedabad (for branches in the state of Gujarat) which ensures periodical inspection of all branches as per RBI guidelines. The department has analysed various aspects of branch operations and value addition in the form of several modifications in audit format/

रूप में शाखा परिचालन तथा मूल्य संवर्धन के विविध तथ्यों का विश्लेषण करता है, जिससे त्रुटियों को रोका जा सके, यदि कोई है तो, तथा प्रणाली एवं कार्यविधियों को मजबूती भी मिली है. विभाग समय पर लेखा परीक्षा को सुनिश्चित करने के अतिरिक्त उसमें पाई गई अनियमितताओं को सुधारने, प्रणाली तथा कार्यविधियों आदि का भी अनुपालन करता है.

17.103 भारिबैं ने सभी बैंकों को जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा को अंगीकार करने के निदेश दिए हैं जो बासेल-।। के तहत एक अनिवार्य अपेक्षा है. विभाग ने विविध जोखिम को कम करने आदि की सांकेतिक सूची सहित जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक प्रारूपों एवं जो आर. बी. आय. ए. को बदलने हेतु प्रयासों को आरम्भ कर दिया है. शाखाओं का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा पर फोकस परिवर्तन के लिए समुचित प्रशिक्षण दिया गया है. विभाग अपने आंतरिक प्रशिक्षित निरीक्षकों के साथ-साथ अनुभवी बाह्य नामावली में शामिल लेखा परीक्षकों द्वारा विविध शाखाओं में किए जा रहे नियमित निरीक्षण के साथ-साथ जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा का भी निर्वहन करता है. बैंक दिनांक 01-04-2006 से जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली को अंगीकार करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, तथा बदलाव की यह पूरी प्रक्रिया मार्च, 2008 तक पूरा किए जाने की अपेक्षा है.

17.104 देश भर में फैली हुई बैंक की विविध शाखाओं के कार्यों पर प्रभावी नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण रखने हेतु बैंक में आंतरिक प्रणाली पहले से ही मौजूद हैं. शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा प्रधान कार्यालयों के विभागों की लेखा परीक्षा के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का अनुपालन करने हेतु निरीक्षण विभाग समय-समय पर आंतरिक निरीक्षकों तथा बाहरी सनदी लेखाकारों की फर्मों आदि के द्वारा विविध प्रकार की लेखा परीक्षाएँ संचालित करता है. जिससे निर्धारित कार्यप्रणाली एवं कार्यविधियों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित हो और त्रुटियों को समय पर रोका जा सके, यदि कोई हों.

17.105 प्रणाली एवं नियंत्रण को और मजबूत करने के लिए बैंक ने निगरानी तंत्र को तेज कर दिया है तथा निगरानी के अलावा विविध शाखाओं में सांविधिक लेखा परीक्षा के माध्यम से क्षेत्रीय स्तरों पर आवधिक समीक्षा की भी विभाग द्वारा निगरानी की जाती है. कार्य तथा कार्यविधियों के सख्त अनुपालन किए जाने पर विशेष ध्यान देने सहित अनुकूल दृष्टिकोण से बड़ी संख्या में शाखाओं के निरीक्षण निर्धारण में सुधार हुआ है. निरीक्षण रिपोर्ट में सूचित की गई अनियमितताओं के यथा समय सुधार के लिए अविरत आधार पर प्रभावी कदम उठाए गए हैं जिससे कम जोखिम के साथ परिचालन कार्यकुशलता को सुधारने में मदद मिलेगी.

policy guidelines, for different kind of audits have been made, which has enabled plugging the loopholes if any & for strengthening the systems and procedures. The department, apart from ensuring timely audit, also follows up for rectification of observed irregularities and adherence to systems and procedures so as not to allow the same irregularity to creep up again.

17.103 The RBI has directed all the Banks to adopt Risk Based Internal Audit which is an essential requirement under Basle II accord. The Department has initiated the efforts for migration to RBIA and necessary formats for Risk Based Internal Audit with suggestive list of various Risk mitigants etc. have been put in use. The officials inspecting the branches have been given adequate training for shifting focus to Risk Based Internal Audit. The department has carried out Risk Based Internal Audit of various branches along with Regular Inspection by internally trained inspectors as well as by the experienced external empanelled auditors. The Bank is all set to adapt to Risk Based Internal Audit System from 01.04.2006 and the entire process of migration is expected to be completed by March 2008.

17.104 The Bank has an in-built system of effective control and supervision of the functioning of its various branches scattered all over the country. In compliance with guidelines of RBI on audit of branches, Regional Offices and departments at Head Office, the Inspection Department is conducting various types of audits through internal inspectors and external Chartered Accountant firms from time to time and ensures strict adherence to the laid down systems and procedures and timely plugging of loopholes, if any.

17.105 To strengthen the systems and control, the Bank has geared up monitoring mechanism and besides monitoring through concurrent audit at various branches, periodical review at regional levels is also monitored by the department. The strategic approach with special emphasis on strict adherence to systems and procedures has enabled improvement in the inspection ratings of large number of branches. The effective steps taken are continued on on-going basis for timely rectification of irregularities pointed out in the inspection reports which will help improve the operational efficiency with low risk.

18.000 विपणन एवं उत्पाद विकास

18.100 बैंक ने पूरे वर्ष भर प्रिंट, इलैक्ट्रोनिक तथा बाह्य संचार माध्यमों के प्रभावी उपयोग के साथ विशिष्ट दृष्टिसीमा बनाए रखी तथा विविध टेलीविजन कामर्शियलों ने हमारी विशिष्ट ब्रांड एम्बैसडर जूही चावला को मुख्य चैनलों पर प्रस्तुत किया. इन कमर्शियलों ने न केवल हमारे महत्वपूर्ण उत्पादों को उजागर किया अपितु पूरे देश भर में हमारी छवि को और अधिक निखारा. हमारे विपणन एवं प्रचार का मुख्य केन्द्रबिन्दु खुदरा बैंकिंग उत्पाद थे जिनका

18.000 MARKETING & PRODUCT DEVELOPMENT:

18.100 The Bank maintained high visibility throughout the year with the effective use of print, electronic and outdoor media. Various TV commercials featuring our Brand Ambassador Juhi Chawla were telecast on prime channels. These commercials not only highlighted our important products but also boosted our image across the country. The main focus of our marketing and publicity was retail banking

सीधे विपणन अभियान तथा संचार माध्यमों के विज्ञापन द्वारा विपणन किया गया.

18.101 बैंक ने राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय महत्व के कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया जिससे लक्ष्य समूहों जैसे विद्यार्थियों, कारोबारियों, महिला उद्यमियों, किसानों आदि तक पहुंचने का उद्देश्य पूरा हो सके.

19.000 कार्पोरेट सेवा

19.100 बैंक के पास भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड से उक्त निर्गम के बैंकर और डिपोज़िटरी सहभागी के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र मौजूद है.

19.101 बैंक अपनी सेवाएं विविध कार्पोरेट ग्राहकों को लाभांश/ब्याज वारंट/धनवापसी आदेशों के भुगतान हेतु बैंकर के रूप में भी प्रदान करता है. बैंक विभिन्न कार्पोरेट ग्राहकों के लिए वसूलीकर्ता बैंक के रूप में भी कार्य करता है.

19.102 बैंक राष्ट्रीय प्रतिभूति डिपाज़िटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) का एक डिपाज़िटरी प्रतिभागी है तथा मुंबई में एक विशेषीकृत पूंजी बाजार शाखा भी है. यह शाखा शेयरों एवं प्रतिभूतियों के डिमेट/रिमेट से संबंद्ध विविध प्रकार की सेवाएं प्रदान करती है.

20.000राजभाषा

20.100 बैंक ने राजभाषा - ''हिन्दी'' को बढ़ाने में अग्रणी रहने हेतु अपने प्रयास जारी रखे. समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान अपने प्रयासों की पहचान के उपाय के रूप में बैंक ने राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग एवं उसके कार्यान्वयन हेतु पिछले 5 वर्षों के दौरान किए गए विशिष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय हिन्दी अकादमी रूपांबरा द्वारा ''राष्ट्रीय राजभाषा शील्ड सम्मान'' प्राप्त किया.

20.101 बैंक के चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई. चेन्नै क्षेत्र को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ.

20.102 दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यान्वयन के लिए बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली द्वारा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया.

20.103 बैंक ने महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (राजभाषा) पुणे द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में पुनः सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया. बैंक को इसके साथ ही वर्ष 2004-05 के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (बैंक) कोलकाता द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में उत्तम कार्यानिष्पादन के लिए 'उत्कृष्टता प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया.

20.104 बैंक ने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, तथा शील्ड/ट्राफियाँ प्रदान करने/नकद प्रोत्साहन देने आदि की अपनी नीति जारी रखी. आलोच्य वर्ष के दौरान 112 हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 519 अधिकारियों, 953 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया. इसके अलावा कर्मचारियों को अपना

products which were marketed through direct marketing drives and media advertising.

18.101 The Bank participated in some business events of national and regional importance with an aim to reach out to the target groups like students, businessmen, women entrepreneurs, farmers etc.

19.000 CORPORATE SERVICES

19.100 The Bank is having Registration Certificate as 'Bankers to the issue' and "Depository Participant' from Securities Exchange Board of India.

19.101 The Bank is extending its services as Bankers to the Issue for paying Dividend / Interest warrants / Refund orders to various corporate clients. The Bank is also working as Collecting Bank for various Corporate Clients.

19.102 The Bank is a Depository Participant of National Securities Depositary Limited (NSDL) and has specialized Capital Market Branch in Mumbai. This Branch is extending various types of services relating to Demat / Remat of shares & securities.

20.000 RAJBHASHA

20.100 The Bank continued to be in the forefront to promote the official language - "Hindi". As a measure of recognition of the efforts put in during the financial year under review; the Bank received "Rashtriya Rajbhasha Shield Samman" for remarkable work in progressive use of official language Hindi and its implementation during the last five years by "Rashtriya Hindi Academy - Rupambara".

20.101 Chennai Regional Office of the Bank was awarded with Rajbhasha Shield for better implementation of official language by Department of Official Language' Ministry of Home Affairs, Govt. of India. The Banks' Chennai Region also won 1st prize in the competition organised by Chennai Banks' Town Official Language Implementation Committee.

20.102 Delhi Regional Office of the Bank won the consolation prize for excellent implementaton of official language by Delhi Banks' Town Official Language Inplementation Committee.

20.103 The Bank again won the consolation prize in the competition conducted by Maharashtra State Level Bankers' Committee (Rajbhasha), Pune. The Bank was also felicitated with "Excellence Certificate" for best implementation in the field of Official Language by "Town Official Language Implementation Committee (Banks), Kolkata for the year 2004-05.

20.104 The Bank continued to conduct special training programme to promote the use of Hindi and also continued with the policy of extending incentives like awarding shields / trophies and offering cash incentives etc. During the financial year under review, 112 Hindi Workshop were conducted wherein 519 officers & 953 employees were trained. In addition to these, 227 Desk Training Programmes were also conducted to impart practical

कार्य हिन्दी में करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए 227 डेस्क प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए.

20.105 तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप बैंक ने क्षेत्रीय कार्यालयों के स्तर पर विविध प्रशासनिक कार्यालयों में कम्प्यूटर आधारित द्विभाषी/ बहुभाषी शब्द संसाधक तथा सीडी पर द्विभाषी शब्दकोष प्रदान किए हैं.

20.106 इन सुविधाओं के उपयोग हेतु हिन्दी माध्यम से कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. 439 कम्प्यूटरों में द्विभाषी वर्ड प्रोसेसर प्रदान किया गया है. इसके अलावा, वर्ष के दौरान बैंक ने 'क' और 'ख' क्षेत्र की 178 शाखाओं में द्विभाषी डाटा प्रोसेसर सुविधा उपलब्ध करा दी है. बैंक द्वारा लगाए गए सभी एटीएमों में द्विभाषिक सुविधा उपलब्ध करा दी गई है.

21.000अवसर, नई पहल एवं चुनौतियां :

21.100अवसर एवं चुनौतियां

21.101 बैंकिंग उद्योग द्वारा प्रवर्धित खाद्येतर ऋण के विकास में निरंतर वृद्धि की संभावनाओं ने बैंक को एक अनुकूल अवसर दिया है. साख के लिए खण्डों जैसे खुदरा, ल. एवं म.उ. आदि की माँग ने साख जोखिम को कम करते हुए अधिक लाभ अर्जित करने का अवसर प्रदान किया है. तथापि, साख विस्तार को बढ़ावा देने के लिए संसाधनों के संग्रहण के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा व्यक्त की गई चिंता अभी भी बनी हुई है. चलनिधि स्थितियों और उच्च कठिन प्रतिस्पर्धा, विशेषतः निजी क्षेत्र के एवं विदेशी बैंकों से, जमाराशियों की ब्याज दरों में उर्ध्वगामी गति के द्वारा यह संभावित चिंता और बढ़ सकती है. 5 वर्ष अथवा उससे अधिक की जमाराशियों के लिए कर छूट में लाभ देने तथा अनिवासी जमा राशियों को उपलब्ध कराई गई सुविधा के माध्यम से यह चिंताए आंशिक रूप से दूर की जा सकती हैं.

21.102 इसके साथ ही, विद्यमान ब्याज दर परिदृश्य अपनी जमा दरों तथा उधार दरों के अधिकतम पुनर्निर्धारण तथा उसके द्वारा निवल ब्याजगत आय बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है. उसके फलस्वरूप निवल ब्याज आय में वृद्धि होती है.

21.103 किसी भी प्रकार के संभावित नकदी निधि अवरोध पर काबू पाने के लिए, नकदी तनाव की कतिपय पूर्व निर्धारित घटनाओं के सामने आने की स्थिति में नकदी स्थितियों की गत्यात्मक आधार पर दैनिक समीक्षा को बदलने के प्रावधान के साथ साप्ताहिक समीक्षा की प्रणाली लागू की गई है. बैंक के पास अतिरिक्त एल.एल.आर. (सांविधिक चल निधि अनुपात) के व्यापक पोर्टफोलियों की सहूलियत है जिसका आवश्यकता पड़ने पर सक्रिय गौण बाजार में लेनदेन किया जा सकता है.

21.104 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बासेल-।। प्रसंविदा के कार्यान्वयन हेतु निर्धारित मार्च, 2007 की अंतिम अवधि के फलस्वरूप बैंक स्वयं बासेल-।। का अनुपालक बनने के लिए तैयार है. जहां बाजार जोखिम के लिए पूंजी आंबटन की जरूरतें विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप मान्य एवं कार्यान्वित हैं, बैंक ने ऋण एवं परिचालनात्मक जोखिम के लिए पूंजी आवंटन के संबंध में अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए हैं. परिचालनात्मक जोखिम के प्रभाव

training to the employees for doing the official works in Hindi.

20.105 Keeping pace with the technological changes the Bank has provided computer based bilingual / multilingual word processors and CDs of bilingual dictionaries to various administrative offices viz. Regional Offices and Corporate Office.

20.106 Computer training programmes were conducted to promote the use of these facilities through Hindi medium. 439 computers have been provided with bilingual word processors. Further, Bank's 178 branches in A & B lingual regions have been provided with bilingual data processors during the year. All the ATMs installed by the Bank have been provided with bilingual access facilities.

21.000 OPPORTUNITIES, NEW INITIATIVES AND THREATS:

21.100 Opportunities and Threats:

21.101 The prospects of continued growth in expansion of non-food credit extended by banking industry is a good opportunity to the Bank. The demand for credit in segments like retail, SME etc provide opportunities to diversify credit risk while earning better yield. However, concerns expressed by the Reserve Bank of India regarding pressures on mobilization of resources to support credit expansion remains a threat. This likely threat may be accentuated by northbound movement of interest rates for deposits, liquidity conditions and highly intensive competition, particularly from private sector players and foreign banks. Such threats are partially mitigated by extension of tax benefits to deposits of 5 year or more tenor and the fillip provided in the segment of NRI deposits.

21.102 At the same time, the present interest rates scenario provides an opportunity to optimally realign its deposit rates and lending rates and thereby enhance net interest income.

21.103 To overcome any likely liquidity constraints, systems are in place for weekly review of liquidity conditions on dynamic basis with a provision to shift to daily reviews in case certain pre-defined events of liquidity strains are observed. The Bank also has the comfort of a large portfolio of excess SLR investments that could be traded in active secondary market in case of need.

21.104 Consequent upon fixation of date line for implementation for Basel II covenants as March 2007 by Reserve Bank of India, the Bank has prepared itself to become Basel II compliant. While the needs for capital allocation for market risk in line with regulatory guidelines are recognized and implemented, the Bank has taken necessary steps to ensure compliance with regard to allocation of capital for Credit and Operational Risk. Regular assessment of impact of operational risk is

का नियमित निर्धारण किया जा रहा है, तथा बैंकिंग उद्योग को उपलब्ध कराए गए विकल्पों का उपयोग करते हुए अतिरिक्त पूंजी के लिए जरूरत के अनुसार बैंक अनुकूल समय पर विचार करेगा.

21.105 बैंक ने गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों की प्रतिभूतिकरण/पुनर्गठित कंपनी को बिक्री के मूल्यांकन तथा निगरानी करने के लिए अपने कार्पोरेट कार्यालय में एक अलग कक्ष की स्थापना की है. वर्ष के दौरान बैंक ने प्रतिभूतिकरण/पुर्नगठन कंपनी को बेचने के उद्देश्य से, 180.00 करोड़ रुपयों की राशि वाले 29 खातों का मूल्यांकन किया है. बैंक ने वर्ष के दौरान प्रतिभूतिकरण/पुनर्गठित कंपनी को, गैर निष्पादक आस्तियों की बिक्री के माध्यम से रु. 61.47 करोड़ की रकम वसूल की.

21.200 नव नवोन्मेष :

21.201 गत वर्ष प्रारम्भ किए गए फिन मार्ट की संकल्पना को जारी रखने के अलावा बैंक ने खुदरा अग्रिमों की जरूरत को पूरा करने के लिए 'केन्द्रिय प्रक्रिया केन्द्र' की स्थापना की है. बैंक की इसी तरह के केन्द्र को अन्य प्रमुख केन्द्रों में स्थापित करने की योजना है.

21.202 वित्तीय समावेश के संबंध में विनियामक नीति के अनुरूप बैंक ने सीमित सुविधाओं वाली 'देना अल्प बचत खाता' योजना का भी शुभारंभ किया है. योजना की मुख्य विशिष्टता है कि प्रारंभ में रु. 25 की न्यूनतम जमाराशि के साथ बचत बैंक खातों को खोला जा सकता है तथा बाद में किसी न्यूनतम शेष की आवश्यकता नहीं है.

21.203 ग्रामीण एवं अर्धशहरी शाखाओं में बैंक के ग्राहकों को झंझट मुक्त ऋण प्रदान करने की दृष्टि से बैंक ने दिनांक 02-01-2006 को 'देना जनरल क्रेडिट कार्ड' प्रारंभ किया है.

21.204 ग्रामीण ऋण सुपुर्दगी तंत्र को मजबूत करने के क्रम में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान देना ग्रामीण इंटरनेट किओस्क योजना, देना भूमिहीन क्रेडिट कार्ड योजना तथा राष्ट्रीय संपार्श्विक प्रबंधन सेवा लिमिटेड (एनसीएमएसएल) के साथ गठजोड़ जैसे नए उत्पादों का शुभारंभ किया गया.

22.000दृष्टिकोण और सरोकार

22.100 बैंक का मुख्य सरोकार अपनी लाभप्रदता को सुधारने तथा वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाते हुए लाभांश का भुगतान करने वाले बैंकों की सूची में वापस आना रहेगा. इसे पूरा करने के लिए बैंक का ध्यान उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु निगरानी के साथ आस्ति के विकास, आस्ति गुणवत्ता तथा गैर निष्पादक आस्तियों में कमी, गैर ब्याज आय में वृद्धि तथा लाभप्रदता को बैंकिंग उद्योग के समरूप स्तर पर बढ़ाने में रहेगा.

22.200 विजन 2010 :

22.201 विजन 2010 के लिए बैक ने वर्ष 2005-06 के दौरान एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तैयार किया है. विजन 2010 में बैंक ने अपने सभी स्टाफ सदस्यों के लिए, (यह मानते हुए कि ग्राहक बैंक के अस्तित्व से भली-भांति परिचित हैं) एक नए दृष्टिकोण, समर्पित मूल्यों तथा मार्गदर्शक सिद्धांतों पर पुनः बल दिया है. विजन में अर्जक आस्तियों के रूप में विकास के जिन मुख्य संचालकों या घटकों की पहचान की गई है उनमें कृषि पर ध्यान

being made and the Bank will explore, at the appropriate time, the need for additional capital by utilising the options that have been made available to banking industry.

21.105 Bank has set up a separate cell at its corporate Office to monitor and evaluate the sale of Non Performing Financial Asset to Securitisation / Reconstruction Company. During the year, the Bank had evaluated 29 accounts involving an amount of Rs.180.00 crores for the purpose of sale to SC/RC. Bank has recovered Rs 61.47 crores during the year through sale of impaired assets to Securitisation/ Reconstruction company.

21.200 New Innovations:

21.201 Apart from continuing with the concept of Fin Marts introduced in the last year, the Bank has also set up a Central Processing Centre at Mumbai to cater to retail advances. The Bank plans to set up similar set ups at other major centers in the next year.

21.202 In line with the regulatory policy on financial inclusion, the Bank pioneered a scheme "Dena Alpa Bachat Katha" with limited banking facilities. The main feature of the scheme is that saving bank accounts can be opened with as low as Rs 25 as initial deposit with no requirement of minimum balance thereafter.

21.203 With a view to provide hassle free credit to Bank's customers in rural and semi urban branches, the Bank launched "Dena General Credit Card" on 02.01.2006.

21.204 In order to strengthen the rural credit delivery mechanism, a number of new products viz: Dena Rural Internet Kiosk scheme, Dena Bhumiheen Credit Card Scheme and tie up with National Collateral Management Services Ltd (NCMSL) has been introduced during the year under review.

22.000 OUTLOOK AND CONCERNS:

22.100 The main concern of the Bank remains to be one of returning to the list of dividend paying banks' by improving its profitability and strengthening its financials. To this end, the Bank continues to focus on growth of asset with monitoring for quality performance, improving its asset quality and reducing its NPAs, increasing non-interest income & enhance profitability to be at par with banking industry.

22.200 VISION 2010:

22.201 The Bank during 2005-06 embarked on an ambitious programme for Vision 2010. The Vision 2010 has recast the Bank's Mission (recognizing that customers are the very rationale of the Bank's existence), Vision, Core Values and Guiding Principles for the entire staff of the Bank. The Vision has identified key drivers of growth as Earning assets with focus on Agriculture, SME and Retail segments, non interest income, liabilities

केन्द्रित करने के साथ-साथ ल. एवं म.उ. एवं रिटेल क्षेत्र गैर ब्याजगत आय, कम लागत वाली जमा राशियों पर जोर देते हुए देयताएं, आस्तियों से प्राप्त आय को बढ़ाना, बट्टे खातों तथा अनर्जक आस्तियों में वसूली, परिचालनगत व्यय में कमी तथा सभी स्तरों पर ग्राहक सेवा में सुधार लाना शामिल है. विजन 2010 का बैंक के सभी शाखा कार्यालयों में दि. 15 फरवरी 2006 को एक ही साथ शुभारंभ किया गया.

with emphasis on low cost deposits, containing impairment in assets, recoveries in impaired and written-off assets, containing operating expenses and enhancement of customer service at all levels. The Vision 2010 was simultaneously launched by all offices of the Bank on 15th February 2006.

23.000 निदेशक मंडल :

23.100 बैंक के निदेशक मंडल में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यपालक निदेशक दोनों पूर्णकालिक निदेशक, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक का एक एक नामिती, तीन शेयरधारक निदेशक एक अधिकारी कर्मचारी निदेशक (इस समय पद रिक्त) तथा एक कामगार निदेशक सम्मिलित हैं. बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 की उप-धारा (3) के खण्ड (ज) के तहत भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले दो निदेशकों की रिक्तियाँ एवं बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (छ) के तहत एक निदेशक (सनदी लेखाकार) की एक रिक्ति भारत सरकार द्वारा भरी जानी शेष हैं.

23.000 BOARD OF DIRECTORS:

23.100 The Board of Directors of the Bank comprises Chairman & Managing Director and Executive Director both being Whole-Time Directors, a Nominee each from Government of India and Reserve Bank of India, three Shareholders' Directors, one Officer Employee Director (Presently Post Vacant) and one Workmen Director as on 31.3.2006. There are two vacancies in respect of two Directors to be appointed by Government of India under Clause (h) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970 and one vacancy in respect of a Director (Chartered Accountant) to be appointed by Government of India under Clause (g) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970.

23.101 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 8 के उप-खण्ड (1) एवं खण्ड 3, खण्ड 5, खण्ड 6, खण्ड 7 एवं उप खण्ड (1) के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद अधिसूचना एफ.सं 9/65/2004 बी.ओ.आई.-I दिनांक 10 जून, 2005 के माध्यम से श्री एम.वी. नायर को 10 जून, 2005 से 5 वर्षों की अवधि तक या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है.

23.101 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/65/2004 – BOI-I dated June 10, 2005 in terms of Clause (a) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub Clause (1) of Clause 3, Clause 5, Clause 6, Clause 7 and Sub-clause (1) of clause 8 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970, after consultation with Reserve Bank of India had appointed Shri M. V. Nair as Chairman & Managing Director of the Bank for a period of five years with effect from the date of his taking charge of the post i.e. June 10, 2005 or until further orders whichever is earlier. Shri M.V. Nair was holding additional charge of Chairman & Managing Director till 9/6/2005.

23.102 भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970/1980 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) तथा खण्ड (8), के उप खण्ड (1) के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद श्री यू.एस. कोहली को पद भार लेने की तारीख अर्थात 18 जून 2005 से उनके अधिवर्षिता पर पहुँचने की तारीख अर्थात 31 अगस्त, 2007 तक अथवा अगले आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो, के लिए बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया है.

23.102 The Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) vide notification F. No. 9/18/2005 – BOI-I dated June 18, 2005 in terms of Clause (a) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act. 1970/1980, read with Sub-Clause (1) of Clause 3, Sub-Clause (1) of Clause 8 of Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provision) Scheme, 1970/1980, after consultation with Reserve Bank of India had appointed Shri U. S. Kohli as Executive Director of the Bank with effect from the date of his taking charge of the post i.e. June 18, 2005 and upto August 31, 2007 i.e. the date of his superannuation or until further orders whichever is earlier.

23.103 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (i) के तहत चुने गए शेयरधारक निदेशक श्री सी.एम. दीक्षित अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 19 जनवरी, 2003 से बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नहीं रहे. तथापि, श्री सी.एम. दीक्षित 16 मार्च, 2006 को आयोजित चुनाव में भारत सरकार के अलावा शेयर धारकों के प्रतिनिधित्व के रूप में 3 वर्षों के लिए अर्थात

23.103 Shri C. M. Dixit, Shareholder Director, elected under Clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, w.e.f. January 19, 2003, ceased to be a Director of the Bank from January 19, 2006 on completion of his tenure. However, Shri C.M. Dixit was re-elected as Shareholder Director, representing shareholders other than Central Government, for a

17-03-2006 से 16-03-2009 तक के लिए पुनः निर्वाचित हो गए.

23.104 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उप धारा (3) के खण्ड (i) के तहत पुनः निर्वाचित शेयरधारक निदेशक श्री एस.सी. वाधवा अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 19 जनवरी, 2003 से बेंक के निदेशक मंडल में निदेशक नहीं रहे. निदेशक मंडल श्री एस.सी. वाधवा द्वारा बैंक के निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए उनकी सराहना करता है.

23.105 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उप धारा (3) के खण्ड (i) के तहत 19 जनवरी 2003 को चुने गए शेयरधारक निदेशक श्री अतुल अशोक गलांडे अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 19 जनवरी, 2006 से बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नहीं रहे. निदेशक मंडल श्री अतुल अशोक गलांडे द्वारा बैंक के निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए उनकी सराहना करता है.

23.106 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (i) के तहत 19 जनवरी 2003 से पुनः निर्वाचित शेयरधारक निदेशक श्री मनु चड्ढा अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 19 जनवरी, 2006 से बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नहीं रहे. निदेशक मंडल श्री मनु चड्ढा द्वारा बैंक के निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए उनकी सराहना करता है.

23.107 आलोच्य वर्ष के दौरान बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा 3 के खण्ड (i) के अनुसार बैंक ने 16 मार्च, 2006 को केन्द्रीय सरकार के अलावा तीन शेयरधारक निदेशकों के निर्वाचन के लिए बैंक ने शेयरधारकों की एक असाधारण सामान्य सभा का संचालन सोराबजी पोचखानवाला बैंकर्स प्रशिक्षण कॉलेज, मुंबई में किया. निर्वाचन की सफलतापूर्वक प्रक्रिया के पश्चात तीन शेयरधारक निदेशक (1) श्री सी.एम. दीक्षित (2) श्री अनूप मेहता तथा (3) डॉ. अनिल के. गुप्ता शेयरधारकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए केन्द्रीय सरकार के अतिरिक्त शेयरधारक निदेशक के रूप में निर्वाचित हुए इन निदेशकों का कार्यकाल 17 मार्च, 2006 से तीन वर्षों के लिए होगा.

23.108 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) द्वारा जारी अधिसूचना एफ.सं. 09-05-2006 बी.ओ.-1 दिनांक 24 मार्च, 2006 के माध्यम से बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एम.वी. नायर को यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है. तद्नुसार श्री एम.वी. नायर ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में अपने पद को 31 मार्च, 2006 को छोड़ दिया है. निदेशक मंडल श्री एम.वी. नायर द्वारा पहले कार्यपालक निदेशक एवं बाद में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान प्रदत्त मूल्यवान मार्गदर्शन एवं बैंक की प्रगति में किए गए योगदान के लिए उनकी सराहना करता है.

period of three years i.e., from 17/03/2006 to 16/03/2009 at an election held on March 16, 2006.

23.104 Shri S. C. Wadhwa, Shareholder Director, re-elected under the Clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, w.e.f. January 19, 2003, ceased to be a Director of the Bank from January 19, 2006 on completion of his tenure. The Board of Directors places on record its appreciation for valuable guidance provided by Shri S.C. Wadhwa, during his tenure as Director on the Board of the Bank.

23.105 Shri Atul Ashok Galande, Shareholder Director, elected under the Clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, w.e.f. January 19, 2003, ceased to be a Director of the Bank from January 19, 2006 on completion of his tenure. The Board of Directors places on record its appreciation for valuable guidance provided by Shri Atul Ashok Galande, during his tenure as Director on the Board of the Bank.

23.106 Shri Manu Chadha, Shareholder Director, re-elected under the Clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, w.e.f. January 19, 2003, ceased to be a Director of theBank from January 19, 2006 on completion of his tenure. The Board of Directors places on record its appreciation for valuable guidance provided by Shri Manu Chadha, during his tenure as Director on the Board of the Bank.

23.107 During the Financial Year under review, in terms of Clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, the Bank conducted an Extraordinary General Meeting of Shareholders of the Bank other than the Central Government, for election of three Shareholders Directors, at Sir Sorabji Pochkhanawala Bankers' Training College, Mumbai, on March 16, 2006. After the successful exercise of election, three Shareholders Directors i.e. (i) Shri C. M. Dixit; (ii) Shri Anup Mehta; and (iii) Dr. Anil K. Gupta were elected as Shareholder Directors representing shareholders other than Central Government. These Directors will hold office for three years from March, 17, 2006.

23.108 Shri M. V. Nair, Chairman & Managing Director of the Bank has been appointed as Chairman & Managing Director of Union Bank of India, vide Notification F.No. 9/5/2006-BO-I. dated 24th March, 2006 issued by Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), Government of India. Accordingly, Shri M.V. Nair relinquished charge as Chairman & Managing Director on 31st March 2006. The Board of Directors places on record its appreciation of the valuable guidance provided and contribution made by Shri M.V. Nair in the progress of the Bank, during his tenure, initially as Executive Director and later as Chairman & Managing Director.

24.000 आभार :

24.100 निदेशगण बैंक के अपने सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उन के महत्वपूर्ण योगदान के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करते हैं तथा भविष्य में उनके सतत समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करते हैं.

24.101 भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए भी निदेशगण हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं.

24.102 निदेशकगण उन वित्तीय संस्थाओं तथा सहयोगी बैंकों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने बैंक को सहयोग एवं समर्थन दिया है.

24.103 स्टॉफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के प्रति भी निदेशकगण हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति सम्भव नहीं होती. निदेशकगण त्वरित कारोबार विकास तथा बैंक की प्रगति में उनसे सतत् सहयोग की आशा रखता है.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

यू. एस. कोहली

(यू. एस. कोहली)
कार्यपालक निदेशक

24.000 ACKNOWLEDGEMENTS:

24.100 The Directors express their sincere thanks to the Bank's valued customers, shareholders and well wishers for their valuable contribution to the progress of the Bank and seek their continued support and cooperation in future.

24.101 The Directors acknowledge with gratitude, the timely advice, valuable guidance and support received from Government of India and Reserve Bank of India.

24.102 The Directors are also thankful to the Financial Institutions/ Banks and Correspondents for their cooperation and support to the Bank.

24.103 The Directors wish to place on record, the deep appreciation of the valuable contribution of the staff, at all levels, without which the progress achieved would have been unattainable. The Directors look forward to their continued cooperation in faster business development and the progress of the Bank.

For and on behalf of Board of Directors

(U.S.Kohli)
Executive Director